दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-15 अंक-340 | भोपाल, शनिवार 07 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

अबकी बिहार चुनाव में सवर्ण राजनीति के लौटेंगे दिन!

- आयोग कर सकता है समुदाय के लिए तीन बड़ी सिफारिशें

पटना (एजेंसी)। बिहार में नीतिश कुमार सरकार ने सवर्ण आयोग को मजबूत कर दिया है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले नीतिश कुमार ने आयोग को नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मेंबर दिए हैं। यही नहीं आयोग ने बुधवार को ही एक मीटिंग भी की है, जिसमें सवर्ण समाज में आने वाली जातियों के हालात पर चिंता व्यक्त की गई। नीतिश कुमार सरकार को लगता है कि अति-पिछड़ा, दलित और पिछड़ा की गोलबंदी के बीच कहीं सवर्ण समुदाय न छिटक जाए। ऐसे में उसे साधने के लिए यह उपक्रम

किया गया है। भाजपा के समर्थक कहे जाने वाले सवर्ण समुदाय की राजपूत और भूमिहार जैसी जातियां अक्सर छिटकती रही हैं। हालांकि ब्राह्मण और कायस्थ भाजपा के पक्ष में एकजुट नजर आए हैं। ऐसी स्थिति में सवर्णों की पूरी गोलबंदी एनडीए के फेवर में हो, इसके लिए प्रयास शुरू हो गए हैं। इसी की कड़ी सवर्ण आयोग है। अब यह आयोग आने वाले दिनों में कुछ सिफारिशें भी कर सकता है। इन सिफारिशों में एक यह भी होगा कि गरीब सवर्ण परिवारों के बच्चों को सरकारी नौकरियों में आयु सीमा में छूट दी जाए। इसके अलावा यूपीएससी, पीसीएस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग की सिफारिश हो सकती है। गरीब सवर्णों के बच्चों को हॉस्टल की सुविधान देने की सिफारिश भी आयोग की तरफ से की जा सकती है।

आरएसएस ने किया राफेल का सम्मान

- स्वयं सेवकों ने बनाया भारतीय युद्धक विमान का फॉर्मेशन

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा नागपुर में आयोजित किए गए वर्ग के समापन समारोह के दौरान स्वयं सेवकों ने राफेल फार्मेशन का निर्माण करके भारतीय युद्धक विमान को सम्मानित किया। इस फॉर्मेशन को बनाने के दौरान मंच पर मुख्य सरसंघचालक मोहन भागवत समेत तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। आपको बता दें

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान फ्रांस में निर्मित राफेल विमानों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से भारतीय विमानों को गिराने का दावा किया गया था लेकिन भारतीय सेना ने इस पर कोई ऑफिशियल जवाब नहीं दिया था। इससे पहले राफेल विमान से जुड़ी एक बड़ी खबर भी आज सामने आई, जिसमें यह बताया गया कि फ्रांसीसी विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट ने फाइटर जेट के फ्यूजलाज को भारत में बनाने को लेकर अपनी सहमति दे दी है। डसॉल्ट और टाटा के बीच हुए इस समझौते को लेकर दोनों कंपनियों ने 5 जून को इसकी घोषणा की।

आरबीआई का तोहफा, ब्याज दर में की कटौती

होम लोन सस्ते होंगे, ईएमआई में भी मिलेगी राहत

मुंबई (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बैंकों को दिए जाने वाले कर्ज की दर यानी रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है। अब रेपो रेट 5.50 फीसदी रह गया है। इससे बैंकों को आरबीआई से कम ब्याज पर कर्ज मिलेगा। ब्याज में इस कटौती को बैंक अपने ग्राहकों को ट्रांसफर करते हैं, तो आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। लोन सस्ते होने पर लोगों की मौजूदा ईएमआई भी घट जाएगी।

ब्याज दरों में कटौती का फैसला मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 जून तक चली मीटिंग में लिया गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार 6 जून की सुबह इसकी जानकारी दी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। महंगाई कंट्रोल करने के लिए इसे बढ़ाया-घटाया जाता है। ताजा कटौती के बाद 20 साल के लिए लिए गए 20 लाख के लोन पर करीब 1.48 लाख का फायदा मिलेगा। इसी तरह 30 लाख के लोन पर ?2.22 लाख का फायदा होगा। नए और मौजूदा ग्राहकों दोनों को इसका फायदा मिलेगा। आपके होम लोन की ईएमआई कितनी कम होगी। यह तो आपके बैंक की तरफ से ब्याज दरों में कटौती का एलान किए जाने के बाद ही तय होगा। लेकिन आरबीआई के फैसले के बाद बैंकों की तरफ से इसी अनुपात में ब्याज दरें घटाए जाने की उम्मीद की जा सकती है। आप अगर 20 साल के लिए 30 लाख रुपये का लोन लेते हैं तो आपको कुल 240 मंथली ईएमआई देना होगा। अगर आपकी लोन लोन की ईएमआई 8.75 फीसदी सालाना है, तो आपकी हर महीने की ईएमआई करीब 26,511 रुपये होगी। आपको 20 वर्षों में ब्याज के तौर पर करीब 33,62,717 रुपये का भुगतान करना होगा। ब्याज और लोन को मिलाकर आपको कुल 63,62,717 रुपये का भुगतान करना होगा। बैंक अगर रेपो रेट की कटौती के बाद, आपके बैंक ब्याज दर में इतनी ही कटौती करता है, तो आपके होम लोन की वार्षिक ब्याज दर 8.75 फीसदी से घटकर 8.25 फीसदी हो जाएगी। ऐसे में आपको हर महीने ईएमआई के तौर पर 949 रुपये कम देने होंगे यानी आपकी ईएमआई घटकर करीब 25,562 रुपये हो जाएगी। ऐसे में 20 सालों में आपका कुछ ब्याज घटकर करीब 31,34,873 रुपये रह जाएगा। आपको बैंक को लोन अमाउंट और ब्याज मिलकर करीब 61,34,873 रुपये देने होंगे यानी आपकी कुल बचत करीब 2,27,844 रुपये होगी। ब्याज दर में कटौती होने पर बैंक आपको ईएमआई कम करने या लोन के टेन्योर को कम करने का विकल्प देता है। आप अगर लोन के टेन्योर को घटाने का निर्णय लेते हैं तो आप कुल ब्याज पेमेंट में अधिक पैसे बचा सकते हैं।

पाकिस्तान ने इंसानियत और कश्मीरियत दोनों पर किया वार

कटरा में पीएम बोले-भारत में दंगे करवाना चाहता था पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर में रेलवे प्रोजेक्ट समेत कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस मौके पर पीएम ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत, दोनों पर वार किया था।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान मानवता का भी विरोधी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा पड़ोस का देश मानवता का विरोधी, मेल-जोल का विरोधी, टूरिज्म का विरोधी है। पीएम मोदी ने कहा कि है कि वो

ऐसा देश है जो गरीब की रोज़ी-रोटी का भी विरोधी है। 22 अप्रैल को पहलगाम में जो कुछ हुआ वो इसी का उदाहरण है।

पीएम मोदी ने पाकिस्तान पर हमलावर करते हुए कहा कि उसका इरादा कश्मीर के मेहनती लोगों की कमाई को रोकना था। इसलिए पाकिस्तान ने टूरिस्ट पर हमला किया। वो टूरिज्म जो बीते चार पांच साल में लगातार बढ़ रहा था। हर साल यहां रिकॉर्ड संख्या में टूरिस्ट आ रहे थे। जिस टूरिज्म से जम्मू-कश्मीर के लोगों के घर चलते हैं, उसे पाकिस्तान ने निशाना बनाया।

- आतंकवाद को कश्मीर के नौजवानों ने दिया कड़ा संदेश

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि नौजवान अब आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का मन बना चुका है। ये वो आतंकवाद है, जिसने घाटी में स्कूल जलाए, अस्पताल तबाह किए, जिसने कई पीढ़ियों को बर्बाद किया। पाकिस्तान की साजिश के खिलाफ जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर के लोग उठ खड़े हुए हैं। जम्मू-कश्मीर की आवाम ने इस बार जो ताकत दिखाई है, उसने सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, दुनियाभर में आतंकवाद को कड़ा संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक महीने पहले 6-7 मई की दरमियानी रात हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज 6 जून है। संयोग से ठीक एक महीने पहले, आज की ही रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी।

दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल पर मोदी ने फहराया तिरंगा

फिर जम्मू-कश्मीर की वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

जम्मू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चिनाब रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का मुआयना किया। यह ब्रिज जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी के ऊपर बनाया गया है।

इसके बाद पीएम मोदी ने अंजी ब्रिज का भी उद्घाटन किया। अंजी ब्रिज, भारत का पहला केबल रेल ब्रिज है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जो घाटी को शेष भारत से जोड़ने वाली पहली ट्रेन है। प्रधानमंत्री ने कटरा रेलवे स्टेशन पर कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले ट्रेन के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों से बातचीत की। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी चिनाब नदी पर बने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल के निकट स्थित 'व्यू प्वाइंट' पर पहुंचे और उन्हें इस परियोजना के बारे में जानकारी दी गई जो कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से रेल द्वारा जोड़ने के लिए अहम है।

पीएम मोदी को बार-बार सरेंडर करने की है आदत

- राहुल बोले-ट्रंप ने 11 बार कहा मैंने मोदी को सरेंडर करवाया, पीएम कुछ नहीं बोल पाए

नालंदा (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को राजगीर में कहा- मोदी को सरेंडर करने की आदत है। ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर 11 बार बोला कि मैंने मोदी को सरेंडर करवाया। पीएम कुछ नहीं बोल पाए। वो क्यों नहीं बोले कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। वे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अति पिछड़ा समाज को संबोधित कर रहे थे। अपने 30 मिनट के भाषण में उन्होंने आगे कहा- मोदी जी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जातीय जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है तो आप कैसे ओबीसी हो गए। मोदी को सरेंडर करने की आदत है। ट्रंप ने सार्वजनिक तौर पर 11 बार बोला कि मैंने मोदी को सरेंडर करवाया। पीएम कुछ नहीं बोल पाए। वो क्यों नहीं बोले कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। बिहार की नई डेफिनेशन क्रइम कैपिटल ऑफ इंडिया। कहां से कहां पहुंच गए आप, शुरुआत कहां हुई और कहां पहुंच गए।

- बजट में दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा के लिए कुछ नहीं- देश का बजट 11 अफसरों ने बनाया। 90 फीसदी वाले दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा वाले उनमें कोई नहीं है। ज्युडिशियरी में भी वहीं हालत है। वहीं मजदूरों की लिस्ट निकालो वहां आपको सिर्फ ओबीसी, दलित, अति पिछड़ा मिलेंगे। मोदी जी हर भाषण में कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जातीय जनगणना की बात के बाद कहते हैं कि भारत में जाति नहीं है। अगर जाति नहीं है तो आप कैसे ओबीसी हो गए। प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए सरकार जमीन देती है, लेकिन एक भी हॉस्पिटल के मालिक दलित है तो बता दीजिए। सारे के सारे कॉलेज-स्कूल में दलित नहीं है। जमीन आपकी और मालिक कोई और। लिस्ट निकाल कर देख लीजिए। जातीय जनगणना के साथ अगर हमने बाकी डेटा जो सरकार के पास है, वो जोड़ दिया तो विकास का बिल्कुल नया आयाम सामने आएगा। और बिहार से इसकी शुरुआत होगी। ये काम आप लोग ही करते हो, हजारों साल से करते आ रहे हो। ये आपके डीएनए में है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर कांग्रेस को कुछ अपने ही दिखा रहे हैं आईना

पार्टी के अटैक से बेपरवाह हैं शशि थरूर और सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद हाल ही में विदेश दौरे से लौटे हैं। वह भी ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर दुनिया पर दुनिया भर के देशों को जानकारी देने गए एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। वहीं कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने तो इसी तरह के एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की है। मोदी सरकार ने इन्हें सुरक्षा परिषद से लेकर अमेरिकी सांसदों और राजनेताओं तक भारत की बात पहुंचाने की जिम्मेदारी दी है। इन प्रतिनिधिमंडलों ने कई देशों का दौरा किया है। इसी तरह से एक प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के एक और सांसद मनीष तिवारी भी शामिल रहे हैं और वह भी अपनी सफल यात्रा को लेकर गदगद हैं। लेकिन, अपने देश में उनकी पार्टी अटैक पर अटैक कर रही है।

- मनीष तिवारी पर भी नहीं दिख रहा पार्टी के स्टैंड का असर- इसी तरह से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी अपने प्रतिनिधिमंडल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल ने खाड़ी और अफ्रीकी देशों में अच्छा काम किया है। उन्होंने पाकिस्तान के झूठ को उजागर किया है। इस प्रतिनिधिमंडल ने उन देशों को पाकिस्तान के आतंकी मंसूबों के बारे में भी बताया। इन नेताओं के विचार जानने के बावजूद कांग्रेस पार्टी अपने रुख पर कायम है। कांग्रेस का कहना है कि इन विदेशी दौरों से कुछ हासिल नहीं हुआ। कांग्रेस का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्य उन देशों के बड़े नेताओं से नहीं मिल पाए। जब खुर्शीद की तारीफ के बारे में पूछा गया, तो अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अजॉय कुमार ने कहा कि यह किसी पार्टी या व्यक्ति के बारे में नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ही तय करती है कि किसी क्या कहना है।

अमरनाथ यात्रा

ऑपरेशन 'शिवा' में तैनात होंगे 58 हजार जवान

श्रद्धालुओं को ले जाने वाले खच्चरों की भी टैगिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जाएंगे, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा प्रदान करेगी। काफिले के गुजरने के दौरान सुरक्षा के लिए यात्रा के दोनों रूट और नेशनल हाईवे की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया जाएगा। यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद आया है। बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके अलावा यात्रा के लिए अलग-अलग केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को ऑपरेशन शिवा नाम दिया गया है। लगभग 42000 से 58,000 जवान तैनात होंगे। टीएम में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सशस्त्र सीमा बल शामिल रहती हैं।

- ड्रोन और स्पेशल स्निफर डॉग भी करेंगे निगरानी- अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित करने के लिए रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी), खतरों पर तुरंत एक्शन के लिए क्विक एक्शन टीम (क्यूएटी), विस्फोटकों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने के लिए बॉम्ब डिफ्यूजल स्क्वॉड (बीडीएस), च्9 यूनिट्स (विशेष रूप से प्रशिक्षित खोजी कुत्ते) और हवाई निगरानी के लिए ड्रोन शामिल होंगे। ये व्यवस्थाएं जम्मू और कश्मीर में अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाने वाले पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर लागू होंगी। 2024 में यह यात्रा 52 दिनों की थी। 2023 में 62 दिन, 2022 में 43 दिन और 2019 में 46 दिनों तक यात्रा चली। महामारी के कारण यात्रा स्थगित रही।

तार पर लटके कपड़े और जूते-चप्पल बता रहे असली मंजर

बेंगलुरु भगदड़

150 बोरियां फुल हो गईं, भयावह मंजर देख कांपे सफाईकर्मी

बेंगलुरु (एजेंसी)। आरसीबी के आईपीएल विजेता बनने का जश्न 11 परिवारों के लिए मातम बन गया। बुधवार को बेंगलुरु के नौजवान अपने फेवरेट आरसीबी के सपोर्ट के लिए लाखों की संख्या में सड़क पर उतरे थे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में मारे गए सारे 11 लोग युवा थे। उनकी उम्र 35 साल से भी कम थी। गुरुवार को स्टेडियम के बाहर हर तरफ तबाही का मंजर था। टूटे हुए कपड़े, जूते और अन्य सामान बिखरे पड़े थे। स्टेडियम के गेट नंबर 7, 18, 21 और 2 के पास इतने जूते-चप्पल मिले कि 150 बोरियां भर गईं। उनमें से कई जूतों पर खून के निशान थे, जो सूख चुके थे। बच्चों के जूतों को देखकर सफाईकर्मियों का कलेजा कांप गया। 14 साल की दिव्यांशी को यह अंदाजा नहीं था, वह

चिन्नास्वामी स्टेडियम नहीं, बल्कि मौत के मुंह में जा रही है। बेंगलुरु के भगदड़ में मरने वालों में 19 साल का चिन्मय और 17 वर्ष का शिवलिंगा भी था। हादसे में 20 वर्ष का भूमिक और श्रवण भी मारा गया। मरे अन्य लोगों की पहचान दूरेसा (32 साल), सहाना (25 साल), देवी (29 साल), अक्षता (27 साल) के तौर पर हुई थी। इसके अलावा 47 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। एक सुरक्षा गार्ड ने बताया कि उसने सैकड़ों लोगों को गिरते, लंगड़ाते और दर्द से चीखते हुए देखा। भगदड़ के बाद अगली सुबह भयावह थी। हर तरफ चप्पल जूते बिखरे थे।

ऐसा माहौल था जैसे स्टेडियम में युद्ध हुआ हो

पिछले पांच साल से स्टेडियम में काम करने वाली रूपा ने बताया कि उसने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। रूपा ने कहा कि वह हर मैच के बाद हम सफाई करती है, लेकिन गुरुवार की सुबह रुलाने वाला था। रूपा ने बताया कि उसे हर तरह के जूते मिले। महंगे जूते, महिलाओं की चमकती चप्पलें और पांच साल के बच्चों की चप्पलें भी मिलीं। रूपा ने कहा कि अमीर होने या अच्छे कपड़े पहनने का क्या फायदा, अगर भीड़ में कुचलकर मरना पड़े। एक अन्य कर्मचारी सुबुली ने बताया कि वह 2015 से स्टेडियम में काम कर रही हैं। भगदड़ के बाद अगली सुबह स्टेडियम का हाल देखकर उनका दिल टूट गया। उन्होंने कहा कि सुबह ऐसा लग रहा था जैसे कोई युद्ध हुआ हो। सुबुली को एक छोटे बच्चे की चप्पल मिली। उसका बच्चा वहां होता तो क्या होता।

एपस्टीन फाइलों से जुड़े आरोपों के बीच एलन मस्क की ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग : रिपोर्ट

वॉशिंगटन , एजेंसी।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग की है। मस्क ने दावा किया है कि ट्रंप का नाम एपस्टीन फाइल्स में है। इसके साथ ही मस्क ने स्पेसएक्स प्रोग्राम को बंद करने की घोषणा की।

एक्स पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा, मेरे सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करने के राष्ट्रपति के बयान के मद्देनजर, स्पेसएक्स अपने ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को तुरंत बंद करना शुरू कर देगा।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसने अतीत में नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने में मदद की थी। ये अंतरिक्ष यात्री नौ महीनों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंसे रहे थे। इसके अतिरिक्त, यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर कार्गो और लोगों को ले जाने के लिए भी जरूरी है। स्पेस एक्स ने कहा कि ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट वर्तमान में उड़ान भरने वाला एकमात्र स्पेसक्राफ्ट है, जो पृथ्वी पर महत्वपूर्ण मात्रा में कार्गो वापस लाने में सक्षम है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप और मस्क के बीच संबंध तब और खराब हो गए, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने एलन की सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स को खत्म करने की धमकी दी। यह एक ऐसा कदम है, जो दुनिया के सबसे अमीर

व्यक्ति के बिजनेस को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इससे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर प्रभाव दिख सकता है। ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, हमारे बजट, अरबों और अरबों डॉलर में पैसे बचाने का सबसे आसान तरीका एलन की सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स को खत्म करना है। मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि बाइडेन ने ऐसा क्यों नहीं किया! इस बीच मस्क ने आरोप लगाया कि ट्रंप का नाम एपस्टीन फाइलों में है और इस वजह से जांच के विवरण और निष्कर्षों को जनता के सामने पेश नहीं किया गया है।

मस्क ने एक्स पर लिखा, वास्तव में बड़ा बम गिराने का समय आ गया है- डोनाल्ड ट्रंप एपस्टीन फाइलों में हैं। यही असली कारण है कि उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। आपका दिन शुभ हो, डीजीटी!

एपस्टीन के आरोप के जवाब में, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, यह एलन का एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण है, जो वन बिग ब्यूटीफुल बिल से नाखुश हैं, क्योंकि इसमें वे नीतियां शामिल नहीं हैं, जो वह चाहते थे। राष्ट्रपति इस ऐतिहासिक कानून को पारित करने और हमारे देश को फिर से महान बनाने पर फोकस कर रहे हैं।

ट्रंप ने गुरुवार को ओवल ऑफिस प्रेस कॉन्फ्रेंस में संकेत दिया कि टेस्ला के सीईओ उनके वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट का विरोध करते हैं, क्योंकि वह इलेक्ट्रिक व्हीकल इन्सेन्टिव को हटाए जाने से नाराज हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह मस्क के साथ दोस्त बने रहेंगे। इसके साथ ही ट्रंप ने आरोप लगाया कि मस्क बिल के अंदरूनी कामकाज को जानते थे।

मस्क ने ट्रंप को जवाब देते हुए एक ट्वीट किया, बहुत अनुचित है कि तेल और गैस सब्सिडी को बिल में छोड़ दिया गया था। इसके बाद के ट्वीट में उन्होंने कहा, यह बिल मुझे एक बार भी नहीं दिखाया गया और रात के अंधेरे में इतनी तेजी से पारित किया गया कि कांग्रेस में लगभग कोई भी इसे पढ़ भी नहीं सका!

ट्रंप-मस्क टकराव खुलकर आया सामने, ट्रंप बोले - मैं एलन से बेहद निराश हूं

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला प्रमुख एलन मस्क के बीच गहराता विवाद अब सार्वजनिक मंचों पर सामने आ गया है। कभी घनिष्ठ माने जाने वाले ये दोनों दिग्गज अब एक-दूसरे की नीतियों और बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

ट्रंप द्वारा प्रस्तावित टैक्स और खर्च से जुड़ा वन बिग ब्यूटीफुल बिल इस तकरार का मुख्य कारण बन गया है, जिसे मस्क ने खुले तौर पर निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं माफी चाहता हूं, लेकिन अब सहन नहीं कर सकता... यह खर्च भरा, भ्रष्ट और घिनौना विधेयक शर्मनाक है। जिन्होंने भी इसके पक्ष में वोट किया, उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। इस बयान के जवाब में ट्रंप ने मस्क पर तीखा हमला करते हुए कहा, मैं एलन से बेहद निराश हूं। एलन इस बिल के अंदरूनी पहलुओं को उन लोगों से बेहतर जानता था जो यहां बैठे हैं। उसे बिल की हर बात पता थी लेकिन अचानक जब उसे पता चला कि हमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अनिवार्यता में कटौती करनी पड़ेगी जो अरबों डॉलर का नुकसान है, तब उसे परेशानी हुई। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि मस्क को तब तक कोई आपत्ति नहीं थी जब तक वह डिपार्टमेंट ऑफ ग्रीन एजेंडा (डीओजीई) से नहीं निकले थे। उन्होंने कहा कि मस्क ने पहले मेरे बारे में बहुत अच्छी बातें कही थीं। उसने अब तक मेरे खिलाफ कुछ बुरा नहीं कहा है, लेकिन शायद अगली बारी मेरी है।

संक्षिप्त समाचार

भारत के शुभांशु शुक्ला की स्पेस यात्रा में बाधा बनेगा मस्क-ट्रंप का झगड़ा? स्पेसक्राफ्ट बंद करने की धमकी

वाशिंगटन , एजेंसी। एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई तीखी बयानबाजी ने वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष अभियानों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मस्क ने घोषणा की है कि उनकी कंपनी स्पेसएक्स अब ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को तत्काल प्रभाव से बंद करने जा रही है। यह बयान उस समय आया जब ट्रंप ने मस्क के सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करने की धमकी दी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या मस्क के फैसला का असर एक्सिओम स्पेस का मिशन पर भी पड़ेगा? यही वह मिशन है जिसके जरिए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ले जाया जाएगा। पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब मस्क ने ट्रंप प्रशासन द्वारा पेश किए गए एक प्रमुख खर्च विधेयक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करते हुए उसे एक यानी 'घृणित' कदम बताया। इसके जवाब में ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि एलन मस्क की सरकारी डील्स को खत्म कर देने से अमेरिका अरबों डॉलर बचा सकता है और पूछा कि यह कदम अब तक क्यों नहीं उठाया गया। मस्क ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति द्वारा मेरे सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करने की बात के बाद, स्पेसएक्स अब ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को डिकमीशन करना शुरू करेगा। यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क की धमकी कितनी असरदार साबित होगी, लेकिन सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स की मदद से विकसित कैप्सूल, अंतरिक्ष स्टेशन के कामकाज को सुचारू रखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट खासकर क्रू ड्रैगन नासा के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इसी से अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक भेजा जाता है। खास बात ये है कि इसी यान के जरिए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 10 जून को ढ्रस्स की यात्रा पर जाने वाले हैं, जो एक्सिओम स्पेस के ए-4 मिशन का हिस्सा हैं। यह मिशन पहले 29 मई को निर्धारित था लेकिन दो बार टल कर अब 10 जून की संभावित तारीख पर पहुंचा है।

इजरायल का बेरूत पर हवाई हमला, हिजबुल्लाह के ड्रोन उत्पादन केंद्र को बनाया निशाना

येरूसलम एजेंसी। इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में कई स्थलों पर हमला किया और हिजबुल्लाह द्वारा ड्रोन उत्पादन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भूमिगत स्थलों को निशाना बनाने का दावा किया। ये हमले चार स्थानों पर आठ इमारतों को निशाना बनाकर किए गए। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि हिजबुल्लाह ईरानी आतंकवादी समूहों के मार्गदर्शन और वित्तपोषण के तहत हज़ारों ड्रोन बनाने के लिए काम कर रहा है। सेना के बयान में कहा गया है कि हिजबुल्लाह ने इज़राइल के खिलाफ़ अपने हमलों में बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया है और अगले युद्ध की तैयारी में अपने ड्रोन उद्योग और उत्पादन का विस्तार करने के लिए काम कर रहा है।

नहीं रहे पाकिस्तान के पूर्व मंत्री अब्बास खान अफरीदी, घर में गैस रिसाव से हुए विस्फोट में हुए थे घायल

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए एक दर्दनाक हादसे में देश के पूर्व मंत्री अब्बास खान अफरीदी का निधन हो गया है। यह हादसा उनके घर पर गैस रिसाव के कारण हुआ विस्फोट था। पुलिस ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी। घटना कोहाट जिले की है, जहां बृहस्पतिवार को अफरीदी के घर में गैस रिसाव से जोरदार धमाका हुआ। इस विस्फोट में अफरीदी समेत तीन लोग घायल हो गए थे। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां अब्बास अफरीदी की हालत गंभीर बनी रही। इलाज के दौरान डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। अब्बास खान अफरीदी पाकिस्तान के एक प्रमुख राजनीतिक नेता थे। वे पहले संघीय मंत्री और सीनेटर रह चुके थे। वे पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज से जुड़े थे। हालांकि, साल 2024 में उन्होंने पार्टी और राजनीति दोनों से इस्तीफा दे दिया था।

पाकिस्तान पर मुसीबत की मार, स्कूल तक नहीं जा पा रहे बच्चे

लाहौर , एजेंसी।
भारत के साथ उलझे पाकिस्तान पर एक और मुसीबत की मार पड़ी है। इस मुसीबत के चलते वहां पर स्कूल समय से पहले बंद करने पड़े गए हैं। इसका नतीजा यह हो रहा है कि पाकिस्तान में बच्चों का स्कूल जाना बंद हो गया है। असल में पाकिस्तान में भीषण गर्मी पड़ रही है। वहां पर स्कूलों में बच्चों की संख्या क्षमता से ज्यादा है। इतना ही नहीं, स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। वेंटिलेशन सुविधाओं और पंखे वगैरह न होने के चलते स्कूल जाने वाले छात्रों के बीमार होने का खतरा बढ़ गया है। इसके चलते पाकिस्तान में स्कूलों को फिलहाल बंद कर दिया गया है।

मई में ही पाकिस्तान में पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा गया था। लाहौर के स्कूल में पढ़ने वाले 17 साल के हाफिज एहतेशाम ने बताया कि क्लास के अंदर इतनी गर्मी है, लगता है हम ईंट के भट्टे में बैठे हैं। उसने कहाकि मैं स्कूल नहीं जाना चाहता हूं। लाहौर में ही 15 साल के एक अन्य छात्र जन्नत ने बताया कि गर्मी इस कदर है कि पसीने से मेरी डेस्क भीग जा रही है। उसने बताया कि उसकी क्लास में एक छात्रा की नाक से खून बहने लगा।

गरीबी और सीमित संसाधनों के चलते पाकिस्तान जलवायु परिवर्तन से लड़ने में अक्षम है। इसके चलते बदलते मौसम का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव उसको उठाना पड़ रहा है। पाकिस्तान में आमतौर पर जून में गर्मी की छुट्टियां होती थीं, जब तापमान 40 के करीब पहुंचता था। लेकिन पिछले पांच साल में मई महीने में ही पारा चढ़ने लगा है।

गर्मी के चलते पाकिस्तान के लगभग सभी हिस्सों में स्कूल बंद करने की नौबत आ गई है। सबसे ज्यादा आबादी वाले पंजाब प्रांत में भी यही हाल है, जबकि यहां पर स्कूल अटेंडेंस सबसे ज्यादा रहती है। इससे पहले नवंबर में एयर पॉल्यूशन के चलते करीब दो हफ्तों के लिए स्कूल बंद थे। वहीं, मई में भी एक हफ्ते स्कूल बंद रहा। इसके अलावा राजनीतिक अड़चनों, क्रिकेट मैचों और सड़कें बंद होने से भी स्कूल पूरी तरह नहीं चल पाए हैं।

बता दें कि पाकिस्तान में स्कूल जाने की उम्र वाले 26 मिलियन बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे। यह सरकारी आंकड़ा है और दुनिया में सबसे ज्यादा है। वहीं, 10 साल तक के बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से स्टडी मटीरियल ही नहीं पा रहे।

विवादों के साए में डब्ल्यूडब्ल्यूई के फारमर चेयरमैन विंस मैकमोहन, यौन शोषण के आरोप लगे तो बेचने लगे कंपनी के स्टाक

न्यूयार्क, एजेंसी।
डब्ल्यूडब्ल्यूई के पूर्व चेयरमैन विंस मैकमोहन ने टीकेओ ग्रुप होल्डिंग्स के लगभग 250 मिलियन डॉलर (लगभग 21,46,11,24,900 रुपये) के स्टॉक बेचे हैं। ये कंपनी डब्ल्यूडब्ल्यूई और यूएफसी की मूल कंपनी है। विंस लंबे वक्त तक डब्ल्यूडब्ल्यूई के अहम चेहरों में से एक रहे हैं और प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया में उनकी खासा पहचान है। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, यह बिक्री निजी तौर पर एंडेवर ग्रुप होल्डिंग्स के साथ की गई। यह बड़े पैमाने पर स्टॉक बिक्री तब हुई है, जब मैकमोहन एक सेक्स ट्रैफिकिंग मुकदमे का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा एक नया एंटरटेनमेंट बिजनेस शुरू करने की तैयारी में हैं। साल

2024 की शुरुआत में कई विवादों के सामने आने के बाद, डब्ल्यूडब्ल्यूई और टीकेओ के साथ उनका सार्वजनिक और वित्तीय रिश्ता धीरे-धीरे कमजोर हुआ है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, यह लेनदेन 158.32 डॉलर प्रति शेयर की कीमत पर बुधवार को पूरा हुआ।

जनवरी में मैकमोहन ने टीकेओ के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से इस्तीफा दे दिया था। यह उन्हें तब करना पड़ा जब एक पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई कर्मचारी ने उन पर यौन उत्पीड़न और सेक्स ट्रैफिकिंग का आरोप लगाया था। मैकमोहन ने इन आरोपों को पूरी तरह से बेबुनियाद बताते हुए साफ तौर पर खारिज किया है। पूर्व कर्मचारी जेनेल ग्रांट का दावा है कि उनके तत्कालीन बॉस मैकमोहन ने उन्हें कंपनी में जबरन यौन संबंधों के लिए मजबूर किया और इसमें अन्य लोग भी शामिल थे। पिछले हफ्ते, जॉन लॉरिनाइटिस नाम के एक शख्स ने ग्रांट के साथ एक समझौता किया। इसमें यह शर्त शामिल है कि वह ग्रांट के वकीलों के साथ सहयोग करेंगे और शायद मैकमोहन के खिलाफ गवाही भी देंगे। मैकमोहन के वकील ने कहा है कि लॉरिनाइटिस और ग्रांट के बीच यह समझौता मामले के तथ्यों को किसी भी तरह से बदलता नहीं और मैकमोहन ने ग्रांट के साथ कभी कोई बुरा बर्ताव नहीं किया। इस स्टॉक बिक्री ने एंडेवर ग्रुप की टीकेओ ग्रुप में स्थिति को और मजबूत कर दिया है। यह 2023 में डब्ल्यूडब्ल्यूई और यूएफसी के विलय से बनी थी। यह लेनदेन मैकमोहन के लिए एक अहम कदम है।

अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस रद्द किया, 7000 नागरिकों को यूएस छोड़ने का आदेश

काठमांडू , एजेंसी।
अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस (विशेष संरक्षित सुविधा) रद्द करने की घोषणा की है। अमेरिका में इस सुविधा का उपयोग कर रह रहे 7000 से अधिक नेपाली नागरिकों को अमेरिका छोड़ कर जाने को कहा गया है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द कर दिया है। इससे अमेरिका में रहने वाले 7,000 से अधिक नेपाली नागरिक प्रभावित हुए हैं।

फेडरल रजिस्टर में शुक्रवार को प्रकाशित एक नोटिस के मुताबिक डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द करते हुए कहा है कि नेपाल अब इसके मापदंडों पर खरा नहीं उतरता है। नेपाल के लिए यह सुविधा औपचारिक रूप से नोटिस के प्रकाशन के ठीक 60 दिन बाद यानी 5 अगस्त, 2025 को देर रात 11-59 बजे समाप्त होगी।

डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने इस सुविधा के तहत अमेरिका में रहने वाले नेपाली नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि उनके पास अमेरिका में रहने के लिए कोई अन्य कानूनी आप्रवासन कागजात या कोई अन्य वैध आधार नहीं है तो वे नेपाल लौटने की तैयारी शुरू कर दें। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी होने के साथ ही अवैध रूप से रह रहे एक हजार से अधिक नेपाली नागरिकों को अब तक डिपोर्ट किया जा चुका है। अमेरिकी गृह प्रशासन ने कहा कि इस फैसले के बाद जो लोग देश छोड़ने का इरादा रखते हैं वे अपने प्रस्थान को सुविधाजनक बनाने के लिए सीबीपी वन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कर सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन ने नेपाल में 2015 को आए विनाशकारी भूकंप के बाद घरबार विहीन नागरिकों को अमेरिका में बसाने के लिए पहली बार नेपाल को यह स्टेटस प्रदान किया था।

अफ्रीकी संघ ने अमेरिकी यात्रा प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त की

अदीस अबाबा , एजेंसी।
अफ्रीकी संघ (एयू) ने अमेरिका द्वारा हाल ही में लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के संभावित नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की है, जो अफ्रीका सहित कई देशों के नागरिकों को प्रभावित करते हैं।

अफ्रीकी संघ आयोग (एयूसी) ने गुरुवार को जारी एक बयान में सभी देशों के संप्रभु अधिकार को स्वीकार किया कि वे अपनी सीमाओं की रक्षा करें और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। हालांकि, इसने अमेरिका से इस अधिकार का प्रयोग ऐसे तरीके से करने का आग्रह किया जो संतुलित, साक्ष्य-आधारित और अमेरिका तथा अफ्रीका के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को दर्शाता हो।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बयान में कहा गया कि एयूसी लोगों के बीच संबंधों, शैक्षिक आदान-प्रदान, वाणिज्यिक जुड़ाव और व्यापक राजनयिक संबंधों पर ऐसे उपायों के संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंतित है, जिन्हें दशकों से सावधानीपूर्वक पोषित किया गया है।

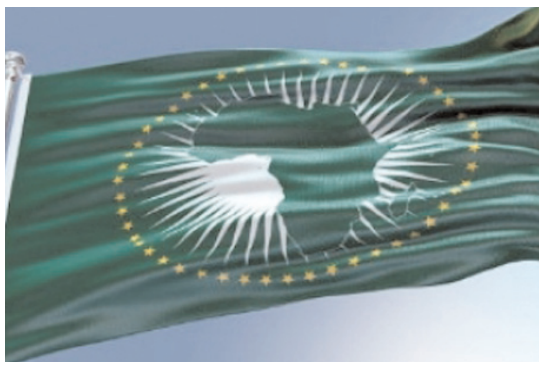

एयूसी ने अमेरिकी प्रशासन से अधिक परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाने तथा प्रभावित देशों के साथ रचनात्मक बातचीत करने पर विचार करने का भी आह्वान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम का

हवाला देते हुए बुधवार शाम कुछ देशों से यात्रा पर प्रतिबंध लगाने संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर किए। व्हाइट हाउस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस घोषणा से 12 देशों के नागरिकों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लग जाएगा, जिनमें अफगानिस्तान, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, म्यांमार, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि इन देशों में स्क्रीनिंग और जांच के संबंध में कमियां पाई गईं तथा इनसे संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए बहुत अधिक खतरा उत्पन्न होने का पता चला। यात्रा पर यह प्रतिबंध अगले रविवार-सोमवार की रात 12-01 बजे से लागू होगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि लगाए गए प्रतिबंध और सीमाएं विदेशी सरकारों से सहयोग प्राप्त करने, हमारे आव्रजन कानूनों को लागू करने तथा अन्य महत्वपूर्ण विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। अपने पहले कार्यकाल के दौरान, ट्रंप ने सात देशों के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

संयुक्त अरब अमीरात में ईद-अल-अजहा की नमाज अदा की गई

अबूधाबी , एजेंसी।
संयुक्त अरब अमीरात में आज भोर की पहली किरण फूटते ही ईद-अल-अजहा की भावना समुदायों में जीवंत हो उठी। मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों में मुसलमानों ने ईद अल अजहा की नमाज पढ़ी। इसके बाद एक-दूसरे को बधाई दी। ईद-उल-अजहा को बकरा ईद, बकरीद, बखरीद, ईद-अल-अजहा, ईद-कुर्बान, कुर्बान बयारामी या बलिदान के पर्व के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम के विश्वास की परीक्षा की याद में मनाया जाता है।

खलीज टाइम्स अखबार के मुताबिक, आज लोग बकरा, भेड़ या ऊंट जैसे पशुओं की कुर्बानी भी देते हैं। संयुक्त अरब अमीरात के निवासी आज सुबह ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों पर एकत्र हुए। दुबई में अल फारूक उमर बिन अल खत्ताब मस्जिद (ब्लू मस्जिद) में बड़ी संख्या में नमाज अदा करने के लिए एकत्र हुए।

इस बीच राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने आज के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें आज पूरे देश में तापमान बढ़ने की चेतावनी दी गई है। आंतरिक क्षेत्रों में 39 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान रहने की उम्मीद है। तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहेगा। आसमान साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में पिछले 24 घंटे मे 2.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

सीहोर (निप्र)। जिले में बीते 24 घंटे में प्रात:08 बजे तक 2.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 17.2, मिलीमीटर, श्यामपुर में 3.2, आष्टा में 2.0, जावर में 0.0, इछावर में 0.0, भैरूंदा में 0.0, बुधनी में 1.0, रेहटी में 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून से 05 जून को प्रात:8 बजे तक 4.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में औसत वर्षा 13.2 मिलीमीटर थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1148.4 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 05 जून 2025तक जिले के वर्षामापी केन्द्र सीहोर में 17.2, मिलीमीटर, श्यामपुर में 3.2, आष्टा में 9.0, जावर में 1.0, इछावर में 0.0, भैरूंदा में 4.0, बुधनी में 3.0 तथा रेहटी में 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में लक्ष्य से अधिक धनराशि एकत्र करने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को राज्यपाल ने दी प्रशंसा

बैतूल(निप्र)। सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि 2023-24 के तहत निर्धारित लक्ष्य से अधिक धनराशि एकत्र करने के लिए बैतूल जिले को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है। इस सराहनीय उपलब्धि के लिए बैतूल के कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी को मध्य प्रदेश के राज्यपाल माननीय मंगुभाई पटेल द्वारा प्रशंसा पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। यह सम्मान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी को कैप्टन (नौसेना) सुमीत सिंह (सेवानिवृत्त), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा औपचारिक रूप से भेंट किया गया। इस अवसर पर बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा बाई उइके, पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल एन झारिया एवं श्री सुधाकर पवार उपस्थित रहे।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत 10 जून तक प्रायवेट स्कूलों में प्रवेश होगा

हरदा (निप्र)। प्रदेश में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में 29 मई को केन्द्रीयकृत ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को अशासकीय विद्यालय आवंटित किये गये हैं। केन्द्र ने आवेदकों को आवंटन संबंधी सूचना एसएमएस के माध्यम से प्रेषित की है। आवेदक अशासकीय विद्यालयों के आवंटन की स्थिति, आरटीई पोर्टल पर उपलब्ध ऑप्शन से देख सकते हैं। पालकों से कहा गया है कि अशासकीय स्कूल का आवंटन होने की स्थिति में आवेदक आवेदन में दर्ज रजिस्टर्ड मोबाइल तथा बच्चे का फोटो आवश्यक दस्तावेज की एक प्रति छात्र को साथ लेकर अशासकीय स्कूल में जायें। पालक एडमिशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि वह अपने बच्चे को आवंटित स्कूल में ही प्रवेश कराना चाहते हैं, तभी प्रवेश की प्रक्रिया के लिये संबंधित स्कूल को ओटीपी प्रदान करें। संबंधित स्कूल द्वारा ओटीपी दर्ज करने के बाद ही स्कूल में निःशुल्क प्रवेश सुनिश्चित होगा। पालकों को सचेत किया गया है कि एक बार प्रवेश के बाद पालक को किसी अन्य अशासकीय शाला में शिक्षा का अधिनियम के तहत निरूशुल्क प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। अशासकीय स्कूल में प्रवेश 10 जून तक ही हो सकेगा। नियत तिथि के बाद आवंटन-पत्र स्वतः निरस्त हो जायेगा। पालकों को यह जानकारी भी दी गयी है कि एक बार प्रवेश लेने के बाद भविष्य में स्कूल परिवर्तन नहीं हो सकेगा। इस संबंध में अशासकीय स्कूलों को भी निर्देश जारी किये गये हैं। विकासखण्ड स्रोत समन्वयक को आवंटन एवं प्रवेश की रिपोर्ट की समीक्षा प्रतिदिन करने के लिये कहा गया है।

राजस्व संबंधी शिकायतों का पूरी संवेदनशीलता से निराकरण किया जाएं, जनसामान्य को परेशान न होना पड़े : कलेक्टर

तहसीलदार और पटवारियों को 7 दिन में प्राप्त शिकायतों का निराकरण करने के सख्त निर्देश

बैतूल (निप्र)। जन सामान्य को अपनी राजस्व संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए अनावश्यक परेशान ना होना पड़े। मुलताई अनुविभाग के सभी राजस्व अधिकारी और पटवारी प्राप्त शिकायतों का पूरी संवेदनशीलता के साथ समय पर निराकरण करें। लापरवाही पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। यह निर्देश कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने गुरुवार को एसडीएम कार्यालय मुलताई में आयोजित राजस्व शिविर में दिए। जनसामान्य को अपनी शिकायतों के निराकरण के लिए दूर दराज से जिला मुख्यालय तक नहीं आना पड़े और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण हो, इस उद्देश्य से कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के निर्देशानुसार एसडीएम कार्यालय मुलताई में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने शिविर में उपस्थित होकर आमजनों की राजस्व संबंधी शिकायतों पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई की। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित पटवारियों को आवेदक के समक्ष में बुलाकर वस्तुस्थिति जानी। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही करने वाले पटवारियों और राजस्व अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी भी जाहिर की। शिविर में संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद, एसडीएम मुलताई श्रीमती अनीता पटेल,एसडीएम आमला श्री शैलेंद्र बडोनिया, तहसीलदार मुलताई श्रीमती अलका इक्का सहित अन्य राजस्व अधिकारी सहित मुलताई और प्रभातपट्टन के समस्त पटवारी गण उपस्थित रहें। ग्राम चकोर निवासी सुखराम ने अपनी भूमि का ऑनलाइन नक्शा सुधारने के संबंध में आवेदन दिया जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार प्रभातपट्टन को शीघ्र ऑनलाइन नक्शा दुरुस्त कर आवेदक को सूचित करने के निर्देश दिए। ग्राम पिपरिया निवासी राजेश शर्मा ने अपनी भूमि के सीमांकन के लिए गठित सीमांकन दल द्वारा नियमानुसार सीमांकन नहीं किए जाने की शिकायत कलेक्टर से की। जिस पर कलेक्टर ने तत्काल तहसीलदार को टीम भेज कर आरआई के माध्यम से सीमांकन कराए जाने के निर्देश दिए। ग्राम ढोलढाणा निवासी रामरतन , पिल्याजी और फागू पवार ने बताया कि उनकी खानदानी पैतृक भूमि का पूर्व में बटवारा हो चुका है। लेकिन हमारे नक्शे और कब्जे में भिन्नता है। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मुलताई को आवेदकों की भूमि का सीमांकन कराकर नक्शा दुरुस्त किए जाने के निर्देश दिए। ग्राम घाट पिपरिया के बेनी सिंह रघुवंशी ने बताया कि मंजराटोला योजना के अंतर्गत रिकॉर्ड दुरुस्त करने के उपरांत ग्राम घाटपिपरिया नया के किसानों की फार्मर आईडी नहीं बन पा रही हैं। जिस पर कलेक्टर ने अधीक्षक भू अभिलेख को समस्या का निराकरण करने और किसानों की फार्मर आईडी बनाए जाने के निर्देश दिए। मुलताई के शास्त्री वार्ड निवासी चंद्रशेखर और विवेकानंद वार्ड निवासी प्रदीप ने भू स्वामी अधिकार पत्र प्रदान किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने नजूल अधिकारी मुलताई को प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम मोही के कृषक 80 वर्षीय बुजुर्ग कृष्णा राजपूत ने उनकी भूमि पर अवैध कब्जा किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार मुलताई को मौका स्थल पर जाकर प्रकरण की जांच करने और अतिक्रमण पाए जाने पर कब्जा दिलाए जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने शिविर में आए जनसामान्य की राजस्व संबंधी शिकायत का त्वरित निराकरण किया। शिविर के समापन के पश्चात कलेक्टर ने जनपद कार्यालय मुलताई में पटवारियों की बैठक कर शिविर में प्राप्त शिकायतों के संबंध में ग्रामवार पटवारीयों से जानकारी ली। उन्होंने सख्त निर्देश दिए की राजस्व शिविर में प्राप्त समस्त आवेदनों का अगले 7 दिनों के भीतर शत प्रतिशत निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें और किए गए निराकरण की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाएं। पटवारी एवं राजस्व अधिकारी आवेदनों के निराकरण के उपरांत आवेदकों को किए गए निराकरण के संबंध में जानकारी भी दें। सुनिश्चित करें कि शिविर में आए आवेदकों को दोबारा अपनी समस्याओं को लेकर परेशान ना होना पड़े। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी पटवारियों को आधार खसरा लिंकिंग, ई केवाईसी, फार्मर रजिस्ट्री, अभिलेख दुरुस्ती, राजस्व वसूली, सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों इत्यादि पैरामीटर पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी पटवारियों और तहसीलदारों को सख्त निर्देश दिए कि मंदिरों की भूमि में सर्वाकार नियुक्त किए जाने में नियमों का गंभीरता से पालन करें।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेही के इंटीग्रेटेड हेल्थ केम्प में 228 हितग्राही हुए लाभान्वित

बैतूल(निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसायटी भोपाल की सहायक संचालक श्रीमती मोनल सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार, जिला नोडल अधिकारी डॉ आनंद मालवीय की उपस्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेही में इंटीग्रेटेड हेल्थ केम्प आयोजित किया गया। हेल्थ केम्प में ब्लड शुगर, बीपी, एचआईवी, सिफिलिस, टीबी एवं हेपेटाइटिस बी की स्क्रीनिंग एवं चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें 25 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। काउंसलर सह डाटा मैनेजर श्री दिनेश भावरकर द्वारा ग्रुप काउंसलिंग कर एचआईवी एवं एड्स, एसटीआई, हेपेटाइटिस एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। पोस्टर और लीफलेट के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया और आईईसी के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। उच्च जोखिम अवस्था वाले हितग्राहियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी एवं जिला चिकित्सालय बैतूल रेफर किया गया, ताकि उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। हेल्थ केम्प में 228 हितग्राही लाभान्वित हुए। शिविर में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ स्वाति बरखडे, चिकित्सा अधिकारी डॉ महेश कुमार राणे, बीईई श्री सुरेश सोनारे, बीपीएम श्री सतीश भूमरकर, काउंसलर सह डाटा मैनेजर श्री दिनेश भावरकर, बीसीएम श्री बुद्धू भुसुमकर, आईसीटीसी काउंसलर श्रीमती अनीता लोखंडे, डीएसआरसी काउंसलर श्रीमती शिल्पी कश्यप, लैब टेक्नीशियन श्री गणेश साकरे, अदिति खंडारे, सिंधु नरवरे, छाया ठाकरे, लैब टेक्नीशियन बलदेव साकरे, संजय ठाकुर, पिंकी कुमरे, फार्मासिस्ट ओम नारायण यादव, प्रकाश तायडे, एमटीएस बलवंत राव पवार, कोमल सिंह वडीवा, मंगल देशमुख, दीपिका शीलू, एएनएम धर्माती ठाकरे, सपना धुर्वे, ललिता बिसोने, लक्ष्य गत हस्तक्षेप परियोजना से प्रबंधक श्री निर्देश मदरेले, श्री वैभव मालवी, संजय लोखंडे, भाग्यश्री पालमपुरिया, अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं जनसमुदाय मौजूद रहा। सहायक संचालक मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति श्रीमती मोनल सिंह द्वारा ए.आर.टी, आईसीटीसी, ब्लड बैंक एवं डीएआरसी का निरीक्षण किया गया। ब्लड बैंक की सूक्ष्मता से जांच की गई एवं ब्लड बैंक से निकलने वाले रिएक्टिव पेशेंट का प्रॉपर फॉलोअप करने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि जो पेशेंट रिएक्टिव निकलता है उस पेशेंट को कंफर्मेशन के लिए आईसीटीसी भेजें अगर वह पॉजिटिव आता है तो जब तक वहां एआरटी लिंक नहीं होता है, पेशेंट का फॉलोअप करते हुए उसके आंकड़े संधारित करना है। उनके द्वारा एआरटी सेंटर जिला चिकित्सालय बैतूल का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं हाथ ठेले व दुकानें बिजली कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने किया आगाह

सीहोर(निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी ने आम जनता तथा हाथ ठेले पर सामान बेचने वालों को अगाह किया है कि वे अपने हाथ ठेले तथा फुटकर सामान की दुकानें हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं। जरा सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए आमजन भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करें एवं बिजली लाइनों तथा ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बना कर ही अपना सामान बेचने के लिए रखें। कई जगह चाय की गुमठियां भी विद्युत लाइनों के समीप तथा ट्रांसफार्मरों से सटाकर चलाई जा रही है, जिनके कारण करंट लगने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों एवं उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आँधी तूफान में खंबे /तार टूटे हों तो इसकी सूचना तत्काल शिकायत कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर / उपाय एप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में दें। जमीन पर पड़े तारों को छूने या स्पर्श करने की गलती न करें साथ ही पार करने का प्रयास न करें। पान टपरों तथा ऐसी दुकानों जिनमें लोहे की चादर का इस्तेमाल होता है, में वायरिंग को सुरक्षित ढंग से पीवीसी पाईप के द्वारा ही कराई जाए। किसी प्रकार की कटी-फटी लूज वायरिंग से जान-माल का खतरा हो सकता है। बारिश के दौरान विद्युत खम्बे /स्टे के पास पानी भराव वाले स्थान से निकलने की जल्दी न करें। सावधानी अवश्य बरतें क्योंकि बारिश के दौरान करंट लीकेज की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

विद्युत वितरण कंपनी ने बच्चों और मवेशियों का विशेष ध्यान रखें। अपने मवेशी को बिजली के खम्बे, स्टे वायर इत्यादि से न बांधें। कपड़े सुखाने के लिये जी.आई. तार अथवा रस्सी, सर्विस लाईन के पाईप या बिजली के खम्बों से कभी न बांधें। इसमें करंट आने की संभावना बनी रहती है। घर की दीवार, उपकरण, नल आदि में लीकेज करंट आने पर प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन से तत्काल ठीक कराएं। घरेलू विद्युत उपकरणों, वायरिंग, स्विच इत्यादि को स्वयं सुधारने के बजाय किसी प्रशिक्षित एवं अनुभवी इलेक्ट्रीशियन की सेवाएं लें।

नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन कैंप का आयोजन

विदिशा (निप्र)। राज्य स्तर से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार जून माह में समस्त स्वास्थ्य संस्थानों में स्वास्थयकृत मिशन अंतर्गत नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन के संबंध में शिविरों का आयोजन किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट में विगत दिवस मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कक्ष के बाहर कैंप का आयोजन किया।

उक्त केम्प का कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जायजा लिया एवं इसके क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। केम्प में आम नागरिकों व अधिकारी , कर्मचारियों की स्क्रीनिंग कर स्वास्थ्य शिक्षा एवं प्रबंधन किया गया है। वर्तमान में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर बीमारी एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या बनकर उभरी है जो मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं मेटाबॉलिक सिंड्रोम जैसी बीमारियों से संबंधित है। इस चुनौती के समाधान हेतु भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एनपीएनसीडी कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। जिसके अंतर्गत जिले के 30 वर्ष से 65 वर्ष तक की आयु वर्ग के सभी महिला, पुरुषों की जांच सभी स्वास्थ्य संस्थानों में की जाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री योगेश तिवारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आशा, एएनएम सीएचओ द्वारा घर-घर जाकर भी इनकी जांच की जाएगी। जिसमें प्रत्येक महिला पुरुष की वजन, ऊंचाई एवं कमर की गोलाई का नाप लेकर जांच की जाएगी। पुरुषों में कमर की गोलाई अगर 90 सेंटीमीटर से अधिक एवं महिलाओं में 80 सेंटीमीटर से अधिक है तो उनको हाई रिस्क श्रेणी में रखा जाएगा। साथ ही जिनकी गर्दन पर काले निशान एवं मस्से हैं वह भी इस बीमारी के संकेत की श्रेणी में आते हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अधीनस्थ अमले को निर्देशित किया है कि अभियान में कोई भी व्यक्ति उक्त आयु वर्ग के जांच स्क्रीनिंग से वंचित न रहे शिविर में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर आरएलसिंह, जिला सर्विलेंस ऑफिसर डॉक्टर पीके दीवान, जिला क्षय अधिकारी डॉक्टर समीर किरार सहित अन्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का कलेक्टर,एसपी एवं सीईओ ने किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के 07 जून को प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री बालागुरू के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने सीहोर स्थित कार्यक्रम स्थल तथा हेलीपेड का भी निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने इछावर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इस संबंध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण एवं बैठक के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय से पहले ही पूर्ण कर ली जाएं तथा सभी विभाग एक दूसरे से समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर आगमन, निर्गमन, पेयजल, बैरिकेडिंग, पार्किंग, फायर ब्रिगेड, यातायात, बैठक व्यवस्था एवं साफ सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने सभी पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रमों में सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 07 जून को सीहोर में भूमिपूजन एवं लोकार्पण तथा इछावर में विकसित कृषि संकल्प अभियान के कार्यक्रम आयोजित होंगे। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, सीएसपी श्री निरंजन सिंह राजपूत सहित सभी विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।इछावर में निरीक्षण के दौरान एडिशनल एसपी श्री सुनीता रावत एवं एसडीएम श्री जमील खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि वैज्ञानिक एवं अधिकारी गांव-गांव भ्रमण कर दे रहे हैं किसानों को जानकारी

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों को दी जा रही है योजनाओं एवं तकनीकों की जानकारी

सीहोर (निप्र)। भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में 29 मई से 12 जून तक किसानों के कल्याण को कृषि को उन्नत बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में तीन दलों का गठन किया गया है। प्रत्येक दल में कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को सम्मिलित किया गया है। अभियान के अंतर्गत गठित दलों द्वारा प्रतिदिन जिले के तीन विकासखण्ड की नौ पंचायतों में भ्रमण कर कृषकों को कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यानिकी विभाग की नवीन योजनाओं, कृषि यंत्रीकरण, खरीफ मौसम की तैयारी बीजोपचार, पशुपालन एवं उद्यानिकी फसलों के सम्बंध में तकनीकी मार्गदर्शन एवं उन्नत कृषि तकनीकी की जानकारी प्रदान की जा रही है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केके पांडे ने बताया कि अभियान के तहत सीहोर विकासखंड की ग्राम पंचायत उलझावन, झागरिया, ढावला, आष्टा विकासखण्ड की हकीमपुर, दरखेडा, अतरालिया, जाबर, भैरूंदा विकासखण्ड की चकल्दी, कोटरा, ढावा में कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के दल द्वारा भ्रमण किया गया और किसानों को उन्नत खेती तकनीकों तथा योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान के तहत 06 जून को सीहोर विकासखंड की ग्राम पंचायत नापलाखेड़ी, जताखेड़ा तथा हैदरगंज, आष्टा विकासखण्ड की सेकुखेड़ा, पिपलिया सालारसी तथा टिगरिया तथा भैरून्दा विकासखण्ड की सतराना, तजपुरा तथा कलवाना में कृषि वैज्ञानिकों एवं विभाग के अधिकारियों के दल द्वारा भ्रमण किया जायेगा। सभी किसानों से अपील की गई है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा प्रदान किये जा रहे तकनीकी मार्गदर्शन एवं उन्नत किस्मों की जानकारी प्राप्त करें।

आष्टा स्थित रानीपुरा समूह जल प्रदाय योजना के कार्यों की राष्ट्रीय चीफ नोडल अधिकारी ने की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। भारत सरकार के संयुक्त सचिव एवं राष्ट्रीय टीम के चीफ नोडल अधिकारी श्री महेंद्र कुमार तथा तकनीकी अधिकारी श्री के. राघवेन्द्र द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर सीहोर जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही आष्टा रानीपुरा समूह जल प्रदाय योजना के कार्यों एवं वर्तमान प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने इस योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समीक्षा के दौरान योजना से जुड़े समस्त पहलुओं पर केंद्रीय टीम ने विस्तारपूर्वक चर्चा की।

सीहोर जिले के 719 ग्रामो की पेयजल आपूर्ति के लिए प्रगतिरत इस समूह जल प्रदाय योजना में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के लिए श्री महेंद्र कुमार ने जल निगम के संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। बैठक में तकनीकी अधिकारी श्री के. राघवेन्द्र ने इस योजना के स्रोत का प्रकार एवं विगत वर्षों के रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। बैठक में योजना की घटक वार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी जिसमे योजना की वर्तमान प्रगति अपने लक्षित समय के अनुरूप पाई गई।

यह योजना नर्मदा नदी आधारित है जिसमे ग्रीष्म काल में भी पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होता है, जिस कारण यह स्रोत अधिक सस्टेनेबल है एवं योजना पूर्ण होने उपरांत ग्रामों में पर्याप्त मात्रा में जल प्रदाय किया जा सकेगा। श्री के राघवेन्द्र ने योजना से जुड़े सामाजिक पहलुओ एवं योजना पूर्ण हो जाने के उपरांत ग्रामों में निवासरत आम जन के जीवन में सामाजिक एवं आर्थिक लाभों के बारे में भी बताया। बैठक में जल निगम महाप्रबंधक श्री प्रवीण कुमार सक्सेना, उपमहाप्रबंधक श्री मो. जैनुल, कार्यपालन यंत्री श्री प्रदीप कुमार सक्सेना सहित सभी संबंधित उप प्रबंधक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

दिनोंदिन सामरिक चुनौतियां बढ़ रही हैं, सरकार ध्यान दें

दुनिया भर में दिनोंदिन सामरिक चुनौतियां बढ़ रही हैं। हथियारों को अधिक मारक, कारगर और रणनीतिक रूप से सक्षम बनाने की होड़ तेज हो रही है। इसलिए हथियारों का बाजार लगातार विस्तृत हो रहा है। बहुत सारे देश प्रतिरक्षा व्यय में बढ़ोतरी करते देखे जाते हैं। अब आमने-सामने के युद्ध का दौर लगभग समाप्त हो गया है। हवाई और लक्षित हमले से दुश्मन को पराजित करने की कोशिश की जाती है। फिर, अब कोई भी युद्ध केवल दो देशों का मामला नहीं रह गया है। इसमें बहुध्रुवीय रणनीति अपनाई जाने लगी है। ऐसे में भारत युद्ध की स्थितियों से निपट पाने में कितना सक्षम है, इसका आकलन स्वाभाविक है।पिछले दिनों पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए, तो उसके नतीजों को केवल दुश्मन देश के मुकाबले अपने शौर्य प्रदर्शन तक सीमित करके नहीं देखा जा रहा। उसमें देश की सेना ने अपनी तैयारियों, कमियों और तकनीकी क्षमता का भी आकलन करना शुरू कर दिया है। इस संदर्भ में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने कहा कि युद्ध का मैदान अब कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग, एलएलएम और क्वांटम तकनीक से संचालित हो रहा है। हमें अपनी नीति, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन को नए सांचे में ढालना होगा।हालांकि पिछले नौ-दस वर्षों में भारत ने अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को अत्याधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। वायुसेना को अत्याधुनिक बमवर्षक विमानों, उन्नत संचार प्रणाली युक्त, ध्वनि से कई गुना तेज गति की मिसाइलों आदि से सुसज्जित किया गया है। रक्षा अनुसंधान पर विशेष बल दिया गया है। स्वदेशी तकनीक से विश्वस्तरीय बमवर्षक विमान और पनडुब्बियां तैयार की जा रही हैं। इसके बावजूद भारतीय सेना दुनिया के अत्याधुनिक हथियारों के सामने खुद को पूरी तरह सक्षम नहीं महसूस कर पाती।कुछ दिनों पहले वायुसेना प्रमुख ने कहा था कि सेना से संबंधित परियोजनाएं समय पर पूरा नहीं हो पाती हैं। हालांकि सरकार का दावा है कि भारत जल्दी ही दुनिया के प्रमुख आयुध सामग्री आपूर्तिकर्ता देशों की कतार में शामिल होगा। अब बहुत सारे उपकरण और साजो-सामान स्वदेशी तकनीक से देश के भीतर ही तैयार कर लिए जाते हैं। हथियार के मामले में दूसरे देशों पर निर्भरता लगातार कम हो रही है। मगर, जब वायुसेना प्रमुख और रक्षा अध्यक्ष संगठनात्मक ढांचे और रक्षा उपकरणों के मामले में बदलाव की बात कर रहे हैं, तो निस्संदेह इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।भारत बेशक कभी युद्ध के पक्ष में नहीं रहता, हमेशा शांति और सौहार्द की नीति का हिमायती रहा है, मगर पाकिस्तान और चीन की तरफ से उसे लगातार जिस तरह की चुनौतियां मिलती रहती हैं, उसमें वह अपने पारंपरिक हथियारों के जखीरे पर भरोसा करके नहीं चल सकता। पाकिस्तान के साथ संघर्ष में चीन के पाकिस्तान के पीठ पीछे खड़ा हो जाने से कड़ी चुनौती महसूस की गई। इससे भारतीय सेना के लिए नए ढंग से रणनीतिक तैयारी की जरूरत रेखांकित हुई।निस्संदेह भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों का लक्ष्य भेदन किया, उससे पूरी दुनिया ने माना कि भारत अत्याधुनिक सामरिक तकनीक का उपयोग करने में सक्षम है। फिर भी बड़ी चुनौती चीन के साथ है, जो उन्नत हथियारों के मामले में अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, रूस आदि बड़े हथियार उत्पादक देशों से लगातार प्रतिस्पर्धा करता रहा है।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है।

(ललित गर्ग)

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है।

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है।

1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हरित राष्ट्र निर्माण की ओर बढ़ता भारत

(कीर्तिवर्धन सिंह)

हर वर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह याद दिलाता है कि प्रकृति केवल संसाधन नहीं, जीवन का आधार है। आज जब जलवायु परिवर्तन, जैवविविधता का क्षय और प्रदूषण वैश्विक चिंता के केंद्र में हैं, भारत ने पर्यावरण संरक्षण को केवल एक प्रशासनिक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन में परिवर्तित किया है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पर्यावरणीय चेतना को नीति-निर्माण के मूल में स्थापित किया है। वैदिक दर्शन से प्रेरित 'प्रकृति रक्षति रक्षितः' का विचार अब योजनाओं और अभियानों में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। मिशन लाइफ (ख्नस्त्रश्च) हो या एक पेड़ मां का नाम, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम हो या नवीकरणीय ऊर्जा की क्रांति, भारत ने यह सिद्ध किया है कि पर्यावरण की रक्षा केवल योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि अब यह ग्रासरूट पर बड़ा आकार ले चुका है। 2022 में शुरू किया गया मिशन लाइफ आज करोड़ों लोगों की जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव ला चुका है। ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और कचरा प्रबंधन जैसे विषय अब केवल नीतिगत शब्द नहीं रहे, वे नागरिक चेतना का हिस्सा बन चुके हैं। यही कारण है कि भारत ने केवल तीन वर्षों में ही 250 मिलियन लीटर जल की बचत और ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। इसी प्रकार, वायु प्रदूषण जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में भी भारत ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के माध्यम से ठोस प्रगति की है। 2019 से 2024 के बीच पीएम 2.5 स्तर में 20 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक की गिरावट उन प्रयासों का प्रमाण है, जो पहले केवल शहरी चिंताओं तक सीमित थे, पर अब राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुके हैं। पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण क्षेत्र, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन में भी भारत ने निर्णायक कदम उठाए हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध और उसके विकल्पों को बढ़ावा देना केवल एक विनियामक निर्णय नहीं था, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और संस्कृति से जुड़ा व्यापक हस्तक्षेप था। ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की गति और दृष्टि दोनों वैश्विक मानकों को नई चुनौती दे रहे हैं। 2014 में नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान जहां मात्र 17 प्रतिशत था, वहीं 2024 में यह बढ़कर 43 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। 2030 तक 500 जीडब्ल्यू क्षमता का लक्ष्य न केवल संभव प्रतीत होता है, बल्कि भारत के वैश्विक ऊर्जा नेतृत्व की आधारशिला भी बन रहा है। इस हरित यात्रा में जल, वन और जैवविविधता की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया गया है। अमृत सरोवर योजना, राष्ट्रीय जैवविविधता मिशन और वन क्षेत्र में वृद्धि जैसे प्रयास इस बात का संकेत हैं कि भारत अपने प्राकृतिक संसाधनों को केवल बचाने में नहीं, बल्कि उन्हें पुनर्जीवित करने में विश्वास रखता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कई अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण सरकार का अकेला कार्य नहीं हो सकता, इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। यही कारण है कि एक पेड़ माँ के नाम, स्वच्छ भारत मिशन और नमामि गंगे जैसी योजनाओं को देशवासियों ने आत्मसात किया है। विदेश राज्यमंत्री के तौर पर मैंने भी कई महाद्वीपों जैसे दक्षिणी अमेरिका (कोलंबिया) अफ्रीका (गांबिया) यूरेशिया(आर्मेनिया) यूरोप (नार्वे) एशिया(तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान और मलेशिया) में पौधारोपण किया, इस अभियान की वैश्विक सराहना हो रही है।

मिशन लाइफ और एक पेड़ मां के नाम अभियान– यह केवल प्रशासनिक उपलब्धियां नहीं हैं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के जीवंत उदाहरण हैं। भारत की यह पर्यावरणीय चेतना अब सीमाओं के भीतर सीमित नहीं है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, बिग कैट एलायंस, ग्रीन डेवलपमेंट कॉम्पेक्ट, और वन वर्ल्ड, वन सन, वन ग्रिड जैसे वैश्विक पहल यह दर्शाते हैं कि भारत न केवल घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पर्यावरणीय नेतृत्व करता दिख रहा है। आज जब विश्व पर्यावरण दिवस की चर्चा हो रही है, यह ज़रूरी है कि हम भारत की इस अद्भुत पहल को केवल आंकड़ों और रिपोर्टों से न आंकें। यह एक वैचारिक, सांस्कृतिक बदलाव का आंदोलन है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और संधारणीय भविष्य रचने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। (लेखक (केंद्रीय विदेश, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री)

चीन फ्री कुछ नहीं देता, पाकिस्तान खुद को कर लेगा कंगाल...

भारत का रक्षा बजट जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के अनुपात में आमतौर पर 2 प्रतिशत से 2.5प्रतिशत के बीच रहता है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए यह 6,81,210.27 करोड़ रुपये (लगभग 86.1अरब डॉलर) तय किया गया है। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की तुलना में यह राशि 9.53प्रतिशत ज्यादा है। यह कुल केंद्रीय बजट का लगभग 13.45प्रतिशत है। इस बजट का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये) सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और नए हथियारों, विमानों और युद्धपोतों की खरीद जैसे पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किया गया है। सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योगों से खरीद के लिए भी एक महत्वपूर्ण राशि (1.12 लाख करोड़ रुपये) का प्रावधान किया है।

(अमित शुक्ला)

अगले पांच से दस सालों में भारत को पाकिस्तान के साथ फिर से युद्ध का सामना करना पड़ सकता है। मुमकिन है कि इसमें चीन भी पाकिस्तान का साथ दे। पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एचएस पनाग ने यह चेतावनी दी है। उन्होंने 'द प्रिंट' में एक लेख लिखा है। इसमें उन्होंने बताया है कि भारत को इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ कदम उठाने होंगे। इसमें रक्षा बजट को जीडीपी का डबल करके 4 प्रतिशत करना भी शामिल है। पनाग के अनुसार, पाकिस्तान और चीन दोनों मिलकर भारत के लिए खतरा बन सकते हैं। इसलिए, भारत को अपनी सेना को मजबूत करना होगा।

भारत का रक्षा बजट जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के अनुपात में आमतौर पर 2 प्रतिशत से 2.5प्रतिशत के बीच रहता है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए यह 6,81,210.27 करोड़ रुपये (लगभग 86.1 अरब डॉलर) तय किया गया है। पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की तुलना में यह राशि 9.53प्रतिशत ज्यादा है। यह कुल केंद्रीय बजट का लगभग 13.45प्रतिशत है। इस बजट का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये) सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और नए हथियारों, विमानों और युद्धपोतों की खरीद जैसे पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किया गया है। सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योगों से खरीद के लिए भी एक महत्वपूर्ण राशि (1.12 लाख करोड़ रुपये) का प्रावधान किया है।

भारत के सामने दोहरी चुनौती– जनरल पनाग का कहना है कि चीन लंबे समय से भारत का दुश्मन है। पाकिस्तान सिर्फ एक परेशानी है। लेकिन, पाकिस्तान अगर फिर से मजबूत होता है और चीन उसका साथ देता है तो युद्ध की संभावना बढ़ जाएगी। उनके अनुसार, ऐसा होने में कम से कम 5 साल और ज्यादा से ज्यादा 10 साल लग सकते हैं। अगर भारत अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाता है और पाकिस्तान को हराने और चीन को रोकने में समर्थ होता है तो युद्ध को टाला जा सकता है। भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा योजना के लिए एक व्यवस्थित तरीका अपनाना होगा।

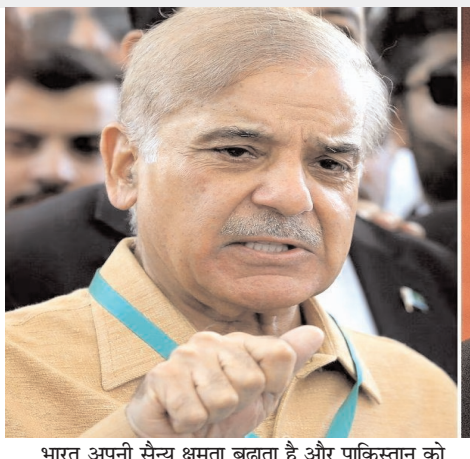

भारत को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और राष्ट्रीय रक्षा नीति को औपचारिक रूप देना होगा। इससे सेना को तेजी से बदलने में मदद मिलेगी। यह एक सैन्य रणनीति का रास्ता खोलेगा जो सभी तरह के खतरों से निपट सके।

रिटायर्ड अफसर पनाग ने यह भी लिखा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को रणनीतिक रूप से मनोवैज्ञानिक हार मिली थी। लेकिन, यह तभी तक कायम रहेगी जब तक भारत अपनी तकनीकी सैन्य बढ़त बनाए रखता है। पाकिस्तान के लिए ऐसा करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों की वजह से पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। इसलिए, वह हमेशा अपनी तकनीक को बेहतर बनाने और भारत को चुनौती देने की कोशिश करेगा।

पाकिस्तान की जीडीपी सिर्फ 373 अरब डॉलर– हालांकि, पनाग का कहना है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति कमजोर है। इसलिए वह ऐसा नहीं कर पाएगा। पाकिस्तान की जीडीपी सिर्फ 373 अरब डॉलर है। इसलिए उसका यह सपना पूरा नहीं हो पाएगा। चीन भी पाकिस्तान को मुफ्त में कुछ नहीं देगा। वह उत्तर कोरिया को भी मुफ्त में कुछ नहीं देता है।

पिछले महीने, अमेरिकी खुफिया विभाग की एक रिपोर्ट आई थी। इसमें कहा गया था कि पाकिस्तान भारत को अपने लिए खतरा मानता है। इसलिए वह अपनी सेना को आधुनिक बनाने की कोशिश करता रहेगा। इसमें युद्ध के मैदान में इस्तेमाल होने वाले परमाणु हथियारों का विकास भी शामिल है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों को आधुनिक बना रहा है। साथ ही, वह अपनी परमाणु सामग्री और परमाणु कमान और नियंत्रण की सुरक्षा भी कर रहा है। पाकिस्तान को चीन से आर्थिक और सैन्य मदद मिलती है।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सेना हर साल चीन की पीएलए के साथ कई संयुक्त सैन्य अभ्यास करती है। इसमें नवंबर 2024 में पूरा हुआ एक नया हवाई अभ्यास भी शामिल है। पाकिस्तान के डब्ल्यूएमडी कार्यक्रमों के लिए जरूरी विदेशी सामग्री और तकनीक चीन से ही आती है। यह सामग्री हांगकांग, सिंगापुर, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात के रास्ते पाकिस्तान पहुंचाई जाती है।

खुफिया रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत चीन को अपना मुख्य दुश्मन मानता है। पाकिस्तान उसके लिए एक छोटी सी समस्या है जिसे संभाला जा सकता है। चीन के प्रभाव को कम करने और वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को बढ़ाने के लिए भारत हिंद महासागर क्षेत्र में द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को मजबूत कर रहा है। इसके लिए वह सैन्य अभ्यास, ट्रेनिंग, हथियारों की बिक्री और सूचना साझा कर रहा है।

पाकि?स्?तान खुद को कर लेगा कंगाल– लेफ्टिनेंट जनरल एचएस पनाग के अनुसार, सेना को बदलने की सख्त जरूरत है। पाकिस्तान पर तकनीकी रूप से भारी सैन्य बढ़त बनानी होगी और चीन को रोकना होगा। ऐसा तब करना होगा जब दोनों दुश्मन मिलकर हमला करें। उन्होंने आगे कहा, और इस बदलाव के लिए हमें सबसे पहले अपने रक्षा बजट को जीडीपी का 4 प्रतिशत करना होगा। यूएसएसआर ने अमेरिका और उसके सहयोगियों से सैन्य प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश में खुद को कंगाल कर लिया और पाकिस्तान का भी यही हाल होगा।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

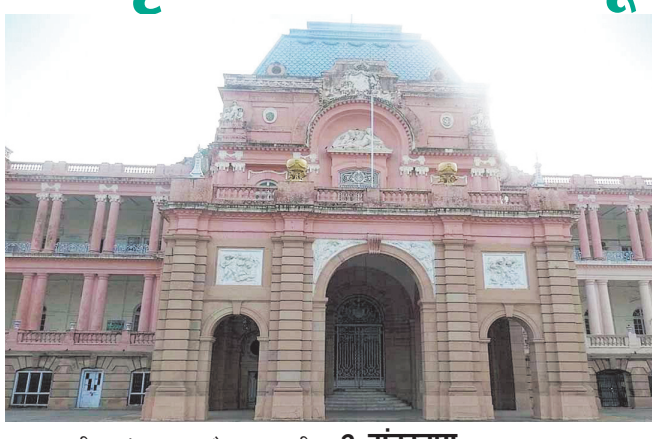

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे ऽपंजाबी वर्सायऽ के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं।

महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

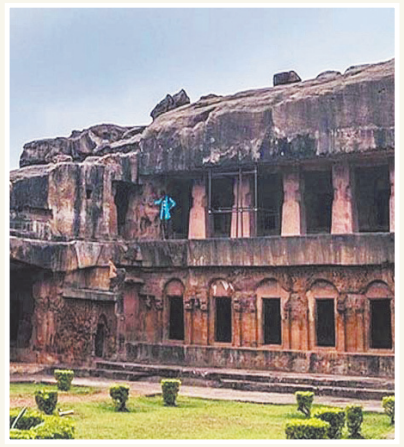

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 पर सस्टेनेबिलिटी प्रयासों के लिए सूर्या रोशनी को सम्मानित किया गया

भोपाल। सूर्या रोशनी लिमिटेड की लाइटिंग डिविजन, मालनपुर (जिला भिंड, मध्य प्रदेश) को वर्ष 2023-24 के मध्य प्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें जनरल कैटेगरी में उनकी पर्यावरण-संवेदनशील औद्योगिक गतिविधियों और टिकाऊ विकास के प्रति योगदान के लिए दिया गया। यह पुरस्कार मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में दिया गया, जिसमें प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर सूर्या रोशनी के कंज़्यूमर लाइटिंग और कंज़्यूमर ड्यूरेबल बिज़नेस के सीईओ जितेन्द्र अग्रवाल ने कहा, मध्य प्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार पाकर हम गर्व महसूस कर रहे हैं। यह सम्मान हमारी ज़िम्मेदार मैन्युफैक्चरिंग और टिकाऊ प्रयासों के प्रति प्रतिबद्धता को मज़बूती देता है। सूर्या रोशनी में हम मानते हैं कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण की रक्षा साथ-साथ चलनी चाहिए। हम पर्यावरणीय असर को कम करने और भारत के ग्रीन डेवलपमेंट लक्ष्यों में योगदान देने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। यह सम्मान सूर्या रोशनी की पर्यावरण के अनुकूल कार्यशैली, ऊर्जा दक्षता और ज़िम्मेदार औद्योगिक विकास की दिशा में निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह पुरस्कार यह भी दर्शाता है कि कंपनी सरकार की पर्यावरणीय सोच और वैश्विक सतत भविष्य की दिशा में पूरी तरह से समर्पित है।

शुभंकर ने अमेज़न एमएक्स प्लेयर के रियलमी हिप हॉप इंडिया सीज़न 2 का ताज अपने नाम किया

मुंबई, एजेंसी। ताज की जंग आखिरकार एक रोमांचक मोड़ पर खत्म हुई, जब शुभंकर उर्फ हेक्टिक अमेज़न की मुफ़्त स्ट्रीमिंग सेवा, अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर रियलमी हिप हॉप इंडिया सीज़न 2 के विजेता बने। जज रेमो डिसूज़ा और मलाइका अरोड़ा की अगुवाई में, इस सीज़न ने हिम्मत, अपनी अलग पहचान और हिप हॉप की असीम भावना को पूरे दिल से सेलिब्रेट किया। लगातार बढ़ती लोकप्रियता के साथ, यह शो हर हफ्ते सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले स्ट्रीमिंग ओरिजिनल्स में शुमार रहा है, इसकी वजह हैं जबरदस्त मुकाबले, असली टैलेंट और हर एपिसोड में आने वाले अप्रत्याशित ट्विस्ट्स। फिनाले को और यादगार बनाने पहुंचे अपकमिंग फिल्म 'मेट्रोज्इन दिनों' के लीड स्टार्स सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर, जो न सिर्फ चैंपियंस का हौसला बढ़ाने आए थे, बल्कि अपनी फिल्म का प्रमोशन भी कर रहे थे, यह फिल्म 4 जुलाई 2025 को रिलीज़ होने वाली है। जोश और कलात्मकता से भरपूर फिनाले में, शुभंकर ने दमदार फाइनलिस्ट्स, हितेश, रूल ब्रेकर्ज़, अमन-कुनाल और लिल पूल को पीछे छोड़ते हुए बाज़ी मार ली, जिनमें से हर कंटेस्टेंट ने मंच पर अपना अनोखा स्टाइल पेश किया।

एमपीएल सीजन-2 सिंधिया कप 2025 के लिए भोपाल लेपर्ड्स ने की अपनी टीम की घोषणा

भोपाल। भोपाल की टीम भोपाल लेपर्ड्स ने गुरुवार को सिंधिया कप 2025 के लिए अपनी टीम की घोषणा की और साथ ही नई जर्सी का अनावरण भी किया। यह कार्यक्रम जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल के श्री गुरुदेव गुप्ता मीडिया स्टूडियो में आयोजित किया गया। भोपाल लेपर्ड्स का स्लोगन रहेगा पंजा जीत का। मीडिया को संबोधित करते हुए, टीम के मालिक अभिषेक मोहन गुप्ता ने बताया कि टीम ने आगामी सीजन के लिए कैसी तैयारी की है। उन्होंने कहा कि टीम क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने और खिलाड़ियों के विकास पर फोकस कर रही है। हेड कोच संजय पांडे ने टीम के प्रशिक्षण के बारे में बताया।

बजाज की कंपनी के प्रमोटर बेच रहे हिस्सेदारी

शेयर पर एक्सपर्ट बुलिश

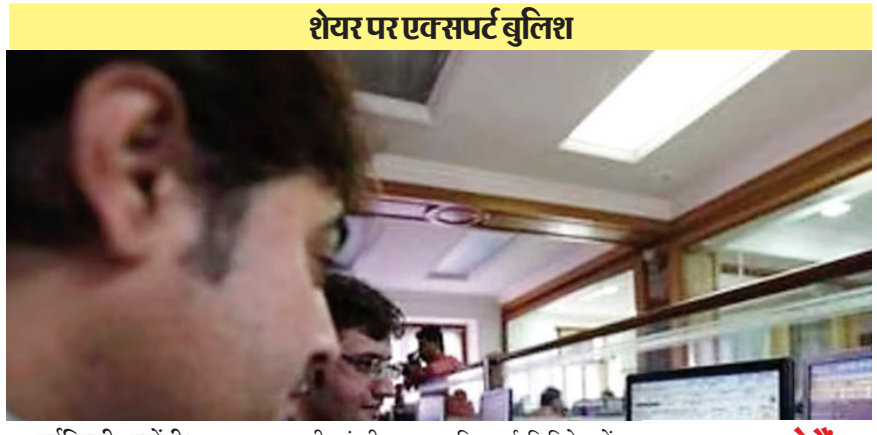

नईदिल्ली, एजेंसी। बजाज ग्रुप की कंपनी- बजाज फिनसर्व लिमिटेड में एक ब्लॉक डील होने वाली है। बजाज फिनसर्व के प्रमोटर समूह- जमनालाल संस प्राइवेट लिमिटेड और बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, ब्लॉक डील के जरिए कंपनी में 1.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर 31 मिलियन शेयर बेचने वाले हैं। इस खबर के बीच बजाज फिनसर्व के शेयर गुरुवार को 1943.50 रुपये पर थे। इस शेयर के लिए ब्रोकरेज मिराए एसेट शेयरखान ने टारगेट प्राइस दिया है। यह टारगेट प्राइस 2350 है। बता दें कि बजाज फिनसर्व लिमिटेड, बजाज समूह के वित्तीय सेवा व्यवसायों के लिए होल्डिंग कंपनी है।

डील की डिटेल

जानकारी के मुताबिक बेस डील की कीमत 4,750 करोड़ है, जिसमें ट्रांजैक्शन को 1078 करोड़ तक बढ़ाने का विकल्प है। इस डील के लिए सांकेतिक फ्लोर प्राइस 1880 प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित की गई है, जो बीएसई पर गुरुवार के बंद भाव 1943.50 से 3.3 प्रतिशत डिस्काउंट को दिखाता है। शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो कंपनी के पास मार्च 2025 तक प्रमोटर संस्थाओं के पास लगभग 60.64 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। कोटक सिक्योरिटीज इस ट्रांजैक्शन को संभाल रही है।

कैसे रहे तिमाही नतीजे- मार्च 2025 को समाप्त तिमाही के दौरान बजाज फिनसर्व में 14 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई जो 2417 करोड़ रुपये थी। तिमाही के लिए कुल आय बढ़कर 35,596 करोड़ हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में यह 32,042 करोड़ थी।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

ब्रोकरेज मिराए एसेट शेयरखान की 5 मई की रिपोर्ट के अनुसार बजाज फाइनेंस की आय वृद्धि साल-दर-साल 19 प्रतिशत पर स्वस्थ रही। ब्रोकरेज का मानना है कि ऋण कारोबार में मजबूत वृद्धि की संभावना और दोनों बीमा कारोबार के लिए मध्यम से लंबी अवधि का स्वस्थ दृष्टिकोण भविष्य में मजबूत आय के लिए पॉजिटिव ट्रिगर के रूप में कार्य कर सकता है। मिराए एसेट शेयरखान ने 2350 के टारगेट प्राइस के साथ शेयर पर खरीदने की सलाह दी है।

आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

मैहर। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर (एम पी बिरला ग्रुप) हमेशा से पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के लिए सजग रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, मैहर यूनिट ने खदान क्षेत्र में 300 करंज के पौधों का रोपण किया। यह पहल यूनिट हेड श्री पी के चौधरी के मार्गदर्शन में पूरी की गई और संयंत्र व खनन क्षेत्रों के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। ।

इसके साथ ही, संयंत्र के आसपास के ग्राम सलैया में पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम की सरपंच, उप-सरपंच और किशोरी बालिकाएँ शामिल हुईं। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर (एम पी बिरला ग्रुप) के पर्यावरण विभाग ने जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक का उपयोग बंद करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें अपनी आदतों में बदलाव लाकर घर से झोला लेकर निकलना चाहिए, ताकि पॉलीथिन का उपयोग कम से कम हो।

कार्यक्रम में मानव संसाधन प्रमुख, पर्यावरण विभाग और हार्टिकल्चर विभाग ने प्रतिभागियों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बीज गेंदों (सीड बॉल्स) को बनाने की विधि भी प्रदर्शित की, जो हरियाली और जैव विविधता को बढ़ावा देने का एक स्थायी तरीका है। कार्यक्रम के अंत में, सभी प्रतिभागियों को इको-फ्रेंडली प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कपड़े के बैग वितरित किए गए।

आगामी दस दिनों में, संयंत्र और खनन क्षेत्रों के आसपास के गांवों में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इनमें जागरूकता सत्र, पोस्टर बनाने, रंगोली प्रतियोगिताएँ और वृक्षारोपण अभियान जैसी गतिविधियाँ शामिल होंगी।

भारत में स्टील की खपत में 5 वर्षों में 84 प्रतिशत की वृद्धि, 2024-25 में पहुंची 48 लाख टन

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू स्तर पर स्टील की खपत में पिछले पांच सालों में 84 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) ने यह जानकारी दी। संघ ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में इसकी खपत 48 लाख टन तक पहुंच गई है। आईएसएसडीए के अध्यक्ष राजमणि कृष्णमूर्ति ने ग्लोबल स्टेनलेस स्टील एक्सपो (जीएसएसई) 2025 में कहा कि बुनियादी ढांचे, रेलवे,हवाई अड्डों, मेट्रो जैसे क्षेत्रों में मजबूत मांग के कारण यह वृद्धि हुई है।

2023-24 में हुई थी 44.9 लाख स्टील की खपत - आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 34.6 लाख टन हो गई। इसने साल दर साल में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसकी मांग 2022-23 में बढ़कर 39.4 लाख टन हो गई । इसके बाद 2023-24 में 44.9 लाख टन के आंकड़े को छू गई। इस बीच साल दर साल में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

2030 तक 68 लाख टन होने की उम्मीद

कृष्णमूर्ति कहा कि पिछले पांच वित्तीय वर्षों में प्रति व्यक्ति स्टील की खपत वित्त वर्ष 21 में 2.5 किलोग्राम से बढ़कर वित्त वर्ष 25 में 3.4 किलोग्राम हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि स्टील की मांग 2030 में बढ़कर 68 लाख टन हो जाएगी। वित्त वर्ष 30 तक प्रति व्यक्ति खपत 4.5-5.5 किलोग्राम के दायरे में रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि स्टिल की मांग में अब कुछ नए क्षेत्र जुड़ गए हैं। इनमें ग्रीन हाइड्रोजन, जैव ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी बुनियादी ढाँचा और स्मार्ट शहर और सुरंग जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इरेडा के फैसले से नाखुश दिखे निवेशक, 2 प्रतिशत टूटा शेयर

5000 करोड़ रुपये जुटा रही है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। पब्लिक सेक्टर की कंपनी इरेडा के शेयरों में आज 2 प्रतिशत की गिरावट शुरुआत कारोबार में देखने को मिली है। इरेडा के शेयरों में गिरावट ऐसे समय में देखने को मिला है जब कंपनी के बोर्ड ने क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेटसेंट इश्यू के जरिए 5000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने इस क्यूआईपी के लिए 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए क्यूआईपी को मंजूरी दी थी। इसके बाद, फरवरी में कंपनी के शेयरधारकों ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

इरेडा ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, बोर्ड ने 23 जनवरी को आयोजित अपनी बैठक में निदेशक मंडल के अनुमोदन और 24 फरवरी को पारित एक विशेष प्रस्ताव के माध्यम से कंपनी के शेयरधारकों के अनुमोदन के बाद अपनी बैठक में क्यूआईपी के लिए पांच जून, 2025 को प्रस्तावित निर्गम को खोलने के लिए अधिकृत करने को मंजूरी दे दी है।

बोर्ड की मंजूरी- इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के बोर्ड ने इस साल जनवरी में 173.83 रुपये प्रति शेयर दाम तय किया है। बीएसई में इरेडा के शेयर आज 174.45 रुपये के लेवल पर खुले थे। लेकिन कुछ देर के बाद इरेडा के शेयरों का भाव बीएसई में 172.40 रुपये के लेवल पर आ गया।

ब्रैसपोर्ट लॉजिस्टिक्स ने एफवाय25 में 57 प्रतिशत बढ़ोतरी, अंतरिम लाभांश घोषित

दिल्ली। ब्रेसपोर्ट लॉजिस्टिक्स लिमिटेड, जो कि एक प्रमुख सेवा-आधारित लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सॉल्यूशंस प्रदाता है, ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। सचिन अरोड़ा, प्रबंध निदेशक, ब्रेसेपोर्ट लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने कहा, वित्तीय वर्ष 2025 ब्रेसे पोर्ट लॉजिस्टिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा है। हमने कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए, जिनमें ह्रस्व इमर्ज प्लेटफॉर्म पर हमारी सफल लिस्टिंग शामिल है, जो हमारे हितधारकों के विश्वास को दर्शाता है और पारदर्शिता एवं विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। परिचालन स्तर पर, हमने कुल आय में 57 प्रतिशत की वृद्धि की, यूएइ सहायक कंपनी के माध्यम से अपने वैश्विक नेटवर्क का विस्तार किया, और जेके टायर और जेबीएम ऑटो जैसे कई प्रतिष्ठित ग्राहकों को जोड़ा।

सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट का एफवाय25 में मुनाफा 95 प्रतिशत उछला!

पुणे। सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड, फैसिलिटी मैनेजमेंट क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक, ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही (एच2 एफवाय25) के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। पसुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड के सीईओ अमोल शिंगाटे ने कहा- मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस वर्ष सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड ने मजबूत और उत्साहजनक व्यावसायिक प्रदर्शन किया है, जो हमारे संचालन में उत्कृष्टता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिणाम है। हमने अपनी सेवाओं के दायरे को विस्तार देने और उसे अनुकूल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे हमारी बाजार में स्थिति मजबूत हुई है और लाभप्रदता तथा कार्यक्षमता में सुधार हुआ है। सस्टेनेबिलिटी (स्थायित्व) हमारे व्यवसाय की रणनीति के केंद्र में है। हम अपने सभी संचालन क्षेत्रों में पर्यावरण के अनुकूल उपायों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं – इसमें ग्रीन बिल्डिंग सेवाएं, ऊर्जा-कुशल फैसिलिटी मैनेजमेंट और इको-फ्रेंडली ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशंस शामिल हैं, जो हमारे ग्राहकों को उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं।

एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 के लिए शानदार वित्तीय परिणामो की घोषणा की

राजस्व पहुँचा 549 करोड़

मुंबई, एजेंसी। एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड जो विभिन्न प्रकार के तंबाकू उत्पादों के निर्माण और व्यापार में तेजी से बढ़ रही कंपनी है, ने 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लिए शानदार वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं। 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष (कंसोलिडेटेड) के लिए, कंपनी ने 549 करोड़ का परिचालन राजस्व दर्ज किया। एबिटा 71.60 करोड़ रहा और शुद्ध लाभ 69.65 करोड़ रहा।

31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही अर्थात चोथी तिमाही (कंसोलिडेटेड) के लिए, कंपनी का परिचालन राजस्व जो तीसरी तिमाही के 94.12 करोड़ से बढ़कर 313.16 करोड़ हो गया, जो कि तिमाही दर तिमाही 232 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी अवधि में प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 42.97 करोड़ रहा, जो कि तिमाही दर तिमाही 2225 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी है। एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड एक तेजी से बढ़ती हुई कंपनी है, जो सिगरेट, स्मोकिंग मिक्सचर, शीशा और अन्य संबंधित उत्पादों सहित विविध प्रकार के तंबाकू उत्पादों के निर्माण और व्यापार में संलग्न है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति के साथ, एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड वर्तमान में यूएई, सिंगापुर, हांगकांग, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के कुछ हिस्सों में अपने उत्पादों का निर्यात कर रही है। कंपनी च्युइंग तंबाकू, नस , माचिस, लाइटर और तंबाकू एक्सेसरीज़ जैसे नए उत्पाद श्रेणियों में विस्तार करने की योजना भी बना रही है। एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के पास कई प्रमुख ब्रांड्स हैं जैसे इनहेल (सिगरेट), अल नूर (शीशा) और गुर्ह (स्मोकिंग मिक्सचर), जो विभिन्न उपभोक्ता वर्गों की पसंद को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। एक बढ़ती हुई टीम और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि के साथ, ईआईएल अपने विनिर्माण ढांचे और कार्यबल का उल्लेखनीय विस्तार करने की दिशा में अग्रसर है। ईआईएल के परिचालन के मूल में अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा है, जो उन्नत, स्वचालित मशीनरी से सुसज्जित है, जिसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नियमित तकनीकी उन्नयन और एक मजबूत वेयरहाउसिंग बुनियादी ढांचा गतिशील बाजार की मांगों को पूरा करने की कंपनी की क्षमता को और मजबूत करता है।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा पर आकर्षक पुरस्कार की घोषणा की

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने प्रमुख गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा पर एक आकर्षक सीमित-अवधि के ऑफर की घोषणा की है। मूल रूप से 129,999 रुपये की शुरुआती कीमत में मिलने वाला गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा अब केवल 117,999 रुपये में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा पर इस विशेष कीमत में 12,000 रुपये का इंस्टैंट कैशबैक भी शामिल है।

उपभोक्ताओं के लिए इस डील को और आकर्षक बनाते हुए, गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई के साथ भी उपलब्ध है। अधिक किफायती विकल्प चाहने वाले उपभोक्ता 3,278 रुपये प्रति माह से शुरू होने वाली नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं। ये विशेष ऑफर्स ग्राहकों को सैमसंग के प्रमुख गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा को आजमाने का बेहतरीन मौका देते हैं। इस स्मार्टफोन ने एक सच्चे एआई साथी की तरह नया मानक स्थापित किया है और सैमसंग का अब तक का सबसे स्वाभाविक और समझदारी से भरा मोबाइल अनुभव देता है।

रॉक्स हाय-टेक ने एच2 एफवाय25 में 190.14 करोड़ का समेकित राजस्व दर्ज किया

मुंबई। रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड, एक ग्राहक-केंद्रित आइटी समाधान प्रदाता, ने एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम घोषित किए। प्रबंध निदेशक श्री जिम राकेश ने कहा- रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड की रणनीतिक वृद्धि, नवाचार और स्थायी मूल्य निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना हमारे प्रगति का प्रमुख कारक रहा है ।डेनमार्क, कैलिफोर्निया और मॉरिशस में नई सहायक कंपनियों की स्थापना से हमारी वैश्विक मौजूदगी मजबूत हुई है ।40 करोड़ के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ऑर्डर्स हमारी निष्पादन क्षमता को साबित करते हैं।

ब्राइट आउटडोर की धमाकेदार कमाई

128 करोड़ आय, 19 करोड़ मुनाफा

मुंबई, एजेंसी। ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड (बीएसई-543831), भारत की अग्रणी आउट-ऑफ-होम विज्ञापन कंपनी, ने एच2 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डॉ. योगेश लखानी ने कहा हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ब्राइट आउटडोर मीडिया लिमिटेड ने एक और शानदार वर्ष दर्ज किया है, जो हमारी टीम की अथक मेहनत और रणनीतिक स्पष्टता का परिणाम है। हमारी विकास यात्रा हमारे दीर्घकालिक विज़न की सफल क्रियान्विति को दर्शाती है और हमारे हितधारकों द्वारा हम पर जताए गए विश्वास को और भी मजबूत बनाती है। गोरगांव आरओबी, कांदिवली आरओबी, राम मंदिर आरओबी, जोगेश्वरी आरओबी, आईटीसी परेल, लोखंडवाला रहेजा, वाडी बुंदर, कल्याण, बांद्रा, बोरीवली ईस्ट और वेस्ट, और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे जैसे प्रमुख स्थानों पर हमारी उपस्थिति, नवाचार और दृश्यता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये रणनीतिक स्थान न केवल भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में हमारी पहुंच को मजबूत करते हैं, बल्कि हमें अधिक प्रभावशाली, रीयल-टाइम कैंपेन चलाने में भी सक्षम बनाते हैं।

फ्लिपकार्ट ने की अपने बहुप्रतीक्षित फैशन इवेंट एंड ऑफ सीजन सेल की शुरुआत

मुंबई, एजेंसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपने बहुप्रतीक्षित फैशन इवेंट एंड ऑफ सीजन सेल (ईओएसएस) की शुरुआत कर दी है। इस इवेंट की शुरुआत 30 मई, 2025 को की गई। फैशन के इस बड़े इवेंट में 70,000 से ज्यादा ब्रांड्स एवं सेलर्स देशभर के करोड़ों ग्राहकों को फैशन, ब्यूटी एवं लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की बड़ी रेंज ऑफर कर रहे हैं। इस बार ईओएसएस ज्यादा बड़े प्रोडक्ट कलेक्शन और कई आकर्षक ऑफर्स के वादे के साथ आया है, जिसने इसे भारत के सबसे बड़े फैशन उत्सव में से एक बना दिया है।

सभी सर्विस वाले पिन कोड पर विशेष रूप से तैयार 1,000 से ज्यादा ट्रेंड्स का कलेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इनमें बैगी बॉटम, रेट्रो रनर्स, यूटिलिटी फिट्स, रिलैक्स्ड सिलुएट्स, थ्रेडवर्क और सॉफ्ट ब्लूम प्रिंट्स जैसे लोकप्रिय स्टाइल शामिल हैं। आसान पहुंच, वैराइटी और इनोवेशन पर फोकस करते हुए एंड ऑफ सीजन सेल देशभर में ग्राहकों के लिए फैशन शॉपिंग के एक्सपीरियंस को नए सिरे परिभाषित कर रही है।

इस शॉपिंग इवेंट को लेकर फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसिडेंट कुणाल गुप्ता ने कहा, 'फ्लिपकार्ट में हमारा मिशन हर भारतीय शॉपर के लिए फैशन को आसान बनाना है। एंड ऑफ सीजन सेल इसी वादे का जश्न है। इस साल की सेल देश के हर कोने में लोगों को ट्रेंड-फर्स्ट, टेक-इनेबल्डऔर पर्सनलाइज्ड फैशन एक्सपीरियंस देने के हमारे फोकस को दिखाती है।

अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से जानी जाएगी भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज, 20 जून से होगा आगाज

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 20 जून से होगा। इसके लिए भारतीय टीम रवाना हो चुकी है। इससे पहले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के नाम में बदलाव किया गया है। इसको अब तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के नाम से जाना जाएगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली यह सीरीज पटौदी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी।

ईसीबी ने जताई थी पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने की इच्छा

20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली सीरीज से पहले किया जाएगा। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हालांकि इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इससे पहले ब्रिटेन में इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज को पटौदी ट्रॉफी के लिए खेला जाता था। इसका नाम इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया था। मार्च में ईसीबी ने पटौदी परिवार को लिखा था कि वे ट्रॉफी को रिटायर करना चाहते हैं। भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 15,921 रन के साथ टेस्ट इतिहास में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 52 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने 1989 से 2013 के बीच 200 टेस्ट खेले। उन्होंने टेस्ट और वनडे प्रारूपों में अनगिनत रिकॉर्ड अपने नाम किए। वहीं, एंडरसन 704 विकेट के साथ इंग्लैंड के सर्वकालिक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के साथ टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। दोनों दिग्गजों ने 14 टेस्ट मैचों में एक-दूसरे का सामना किया जिसमें एंडरसन ने तेंदुलकर को नौ बार आउट किया है। यह किसी गेंदबाज द्वारा इस भारतीय को सबसे ज्यादा बार आउट करने का रिकॉर्ड है।

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा (शेड्यूल)

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र (2025-27) की शुरुआत भी हो जाएगी।

पांच मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/ उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीमः

बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, सैम कुक, जैक क्राउली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

भारतीय क्रिकेटर पीयूष चावला ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारत के स्टार लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। शुक्रवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये उन्होंने इसकी घोषणा की। पीयूष 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। उन्होंने भारत के लिए पिछला मैच 2012 में खेला था। हालांकि, पीयूष को 2007 टी20 विश्व कप में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। पीयूष ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कृतज्ञता के साथ इस अध्याय को अंत कर रहा हूं!! खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले रहा हूं। इस खूबसूरत यात्रा में आपके समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद। पीयूष ने अपने पोस्ट में टीम इंडिया और आईपीएल की जर्सी में कई तस्वीरें भी साझा की हैं। पीयूष ने लंबे से नोट को शेयर करते हुए लिखा, %मैदान पर दो दशक से ज्यादा समय बिताने के बाद, अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। भारत का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक, इस अविश्वसनीय यात्रा में हर पल किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में बसी रहेंगी। आईपीएल की उन फ्रेंचाइजियों को दिल से धन्यवाद जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया - पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस। आईपीएल मेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है और मैंने इसमें खेलते हुए हर पल को संजोया है। पीयूष ने लिखा, मैं अपने कोचों - श्री के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सारस्वत का दिल से आभारी हूं - जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में विकसित किया और आकार दिया। मेरा परिवार इस सफर में मेरी ताकत और एक स्तंभ रहा है। परिवार का अटूट समर्थन सभी उतार-चढ़ावों के दौरान मेरी नींव रहा है। मेरे दिवंगत पिता का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा। उनका मुझ पर अटूट विश्वास रहा और मेरे लिए रास्ता बनाया। उनके बिना यह यात्रा कभी संभव नहीं होती। मैं बीसीसीआई, यूपीसीए (उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन) और जीसीए (गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन) को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में खुद को विकसित करने और अभिव्यक्त करने के लिए मंच और अवसर प्रदान किए। आज मेरे लिए बेहद भावनात्मक दिन है, क्योंकि मैं आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। भले ही मैं क्रीज से दूर हो जाऊं, लेकिन क्रिकेट हमेशा मेरे भीतर जिंदा रहेगा। अब मैं इस खूबसूरत खेल की भावना और सबक को अपने साथ लेकर एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इस घातक इंग्लिश पेसर की हो सकती है वापसी

लंदन। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा है कि पारंपरिक प्रारूप में चार साल पहले अपना पिछला मुकाबला खेलने वाले स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अगले महीने भारत के खिलाफ टीम के दूसरे टेस्ट मैच के लिए वापसी कर सकते हैं। पांच मैच की सीरीज का दूसरा टेस्ट दो से छह जुलाई तक एजबस्टन में खेला जाएगा। वहीं, इस सीरीज की शुरुआत 20 जून से होने जा रही है। पहला मुकाबला लीड्स में खेला जाएगा। 30 साल के तेज गेंदबाज आर्चर ने कई बार चोटिल होने के कारण 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला है और हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए टीम में उनके चयन के लिए भी विचार नहीं किया गया क्योंकि वह हाल ही में समाप्त हुई आईपीएल के दौरान अंगूठे में हुए फ्रेक्चर

से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। राइट ने कहा, जॉफ (आर्चर) काफी अच्छी तरह उबर रहे हैं। उनके लिए योजना यह है कि वह कुछ प्रथम श्रेणी मैच खेलें। ससेक्स की दूसरी टीम का हिस्सा बनें और फिर पहले टेस्ट के दौरान डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेलें। उन्होंने कहा, अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह ससेक्स के लिए खेलेंगे और फिर अगर सब कुछ ठीक रहा तो उम्मीद है कि वह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। ससेक्स में आर्चर के पूर्व साथी राइट ने कहा, अन्य सभी गेंदबाजों की तरह उन्हें बिना किसी बाधा के हर दिन अच्छा प्रदर्शन करना होगा, लेकिन अगर सब कुछ ठीक रहा और वह डरहम मैच में सफल रहे तो वह दूसरे टेस्ट में चयन के लिए संभावित रूप से उपलब्ध हो सकते हैं। अंगूठे की चोट के कारण वह 29 मई से तीन जून के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय सीरीज से भी चूक गए। आर्चर और तेज गेंदबाज मार्क वुड की अनुपस्थिति में इंग्लैंड का तेज गेंदबाजी विभाग क्षमता और अनुभव के मामले में कुछ कमजोर दिखता है। मार्च में लगी घुटने की चोट के कारण वुड क्रिकेट से दूर हैं।

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को मुख्य कोच नियुक्त किया

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने गैरी स्टीड के स्थान पर रॉब वाल्टर को अपनी पुरुष क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों का कोच नियुक्त किया है। वाल्टर जनवरी 2023 से इस साल अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की वनडे और टी20 टीमों के कोच रहे। इससे पहले वह न्यूज़ीलैंड के ओटागो प्रांत और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स एसोसिएशन में पांच साल तक कोच रहे। वाल्टर के कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका ने वनडे विश्व कप 2023 और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सैनी फाइनल में जगह बनाई थी। यही नहीं उन्होंने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। स्टीड 2018 से तीनों प्रारूपों में न्यूजीलैंड के मुख्य कोच थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इस सप्ताह के शुरू में घोषणा की कि वह उनके स्थान पर नए कोच की तलाश कर रहा है। स्टीड ने मार्च में घोषणा की थी कि वह सीमित ओवरों के प्रारूपों में अपनी भूमिका से हट रहे हैं, लेकिन टेस्ट कोच के

रूप में बने रहना चाहते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हालांकि कहा कि वह तीनों प्रारूपों के लिए एक कोच को प्राथमिकता देता है। वाल्टर ने कहा, ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ काम करना एक शानदार अवसर है। यह रोमांचक है, चुनौतीपूर्ण है और बहुत बड़ा अवसर है। पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ केंद्रीय अनुबंध को फिर से अस्वीकार कर दिया है और उनका अगले महीने जिंबॉब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज में खेलना संदिग्ध है। विलियम्सन ने पिछले साल भी केंद्रीय अनुबंध को स्वीकार नहीं किया था ताकि वह टी20 और दुनिया भर की अन्य लीगों में खेलने के लिए स्वतंत्र हो सकें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक अनौपचारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए और 2024 में न्यूजीलैंड ने जो 13 टेस्ट मैच खेले उनमें से नौ मैच में हिस्सा लिया और 1,000 से अधिक रन बनाए। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को जिन 20 अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी की उसमें विलियम्सन का नाम शामिल नहीं है। उनके अलावा डेवॉन कॉनवे, फिन एलन, टिम सीफर्ट और लॉकी फर्ग्यूसन भी इस सूची में शामिल नहीं है। यह सभी खिलाड़ी विदेशों में टी20 लीग में खेल रहे हैं। संभावना है कि विलियम्सन फिर से अनौपचारिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। ऑलराउंडर मुहम्मद अब्बास और जैक फाउल्केस, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार अनुबंध दिया गया है।

क्रिसिल की रिपोर्टः आम आदमी की थाली 6 फीसदी सस्ती

नई दिल्ली। सब्जियों और चिकन की कीमतें घटने से घर में पकाई जाने वाली आम आदमी की थाली 6 फीसदी तक सस्ती हो गई है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारी थाली की कीमत मई, 2024 के 27.80 रुपये से कम होकर इस साल मई में 26.20 रुपये रह गई। चिकन के भाव घटने से मांसाहारी थाली भी 55.9 रुपये से घटकर 52.6 रुपये रह गई। रिपोर्ट के अनुसार, मासिक आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत करीब स्थिर रही है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत दो फीसदी घटी है। दरअसल, सब्जियों की हालिया घटी कीमत ने शाकाहारी थाली के दाम घटाने में मदद की। टमाटर की कीमतें 33 रुपये प्रति किलोग्राम से 29 फीसदी गिरकर 23 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। बता दें कि पिछले साल पश्चिम बंगाल में फसल को हुए नुकसान और बेमौसम बारिश के कारण प्याज और आलू की कीमतों में क्रमशः 15 फीसदी और 16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। आयात शुल्क में बढ़ोतरी के कारण वनस्पति तेल की कीमतों में 19 फीसदी की वार्षिक वृद्धि और गैस सिलेंडर की कीमत में 6 फीसदी की सालाना वृद्धि ने थाली की लागत में और गिरावट को रोक दिया।

चिंताजनकः भारत के 40 प्रतिशत अमीर कर्ज में डूबे

43 प्रतिशत नहीं बचा पा रहे 20 प्रतिशत आय, सर्वे में सामने आई चौंकाने वाली हकीकत

नई दिल्ली। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और शेयर बाजारों में उछाल के बावजूद बड़ी संख्या में देश के हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) यानी बेहद अमीर भी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में नाकाम हो रहे हैं। इन वित्तीय लक्ष्यों में बच्चों की पढ़ाई से लेकर सेवानिवृत्ति फंड जुटाना शामिल है।

चिंताजनक बात है कि कमाई में तेज वृद्धि के बावजूद ज्यादातर एचएनआई पर्याप्त बचत नहीं कर पा रहे हैं और इनमें से 40 फीसदी भारी कर्ज से जूझ रहे हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) नियंत्रित मार्सेलस इन्वेस्टमेंट और डन एंड ब्रैडस्ट्रीट की इंडिया वेल्थ सर्वे-2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि सीमित बचत, भारी कर्ज और अमीरों के बीच वित्तीय योजना की कमी चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। शेयर बाजार में रिकॉर्डतोड़ तेजी के बावजूद भारतीय एचएनआई अपनी सीमित आर्थिक प्रगति से असंतुष्ट और निराश महसूस कर रहे हैं। करीब 43

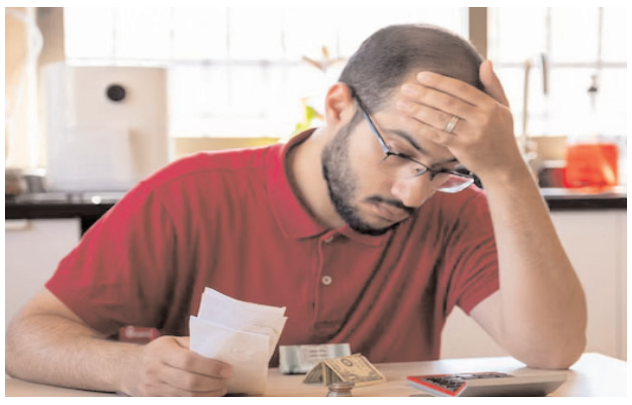

फीसदी एचएनआई टैक्स चुकाने के बाद अपनी कमाई का 20 फीसदी हिस्सा भी नहीं बचा पा रहे हैं। 30 से 45 साल के अमीरों में यह समस्या और गंभीर है। कर्ज के मोर्चे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि 30-45 साल के 50 फीसदी एचएनआई उधारी में डूबे हैं, जो उन्हें सेवानिवृत्ति फंड जुटाने, मकान खरीदने और बच्चों की शिक्षा जैसे बड़े वित्तीय लक्ष्य बनाने से रोक रहा है। यह सर्वे देश के मेट्रो, टियर-1 और टियर-2 शहरों के 30 साल से अधिक उम्र के 465 लोगों पर किया गया है, जिनकी टैक्स चुकाने के बाद सालाना आय 20 लाख से ज्यादा है। एचएनआई का मतलब उस व्यक्ति से है, जिसके पास 5 करोड़ से अधिक की निवेश योग्य संपत्ति है।

महत्वाकांक्षाएं बड़ी, पर ठोस योजना का अभाव

रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकतर एचएनआई की महत्वाकांक्षाएं बड़ी हैं। मसलन, 75 फीसदी अमीर अपने बच्चों की शिक्षा और शादी का खर्च उठाना चाहते हैं, जबकि 40 फीसदी की मकान खरीदने या व्यवसाय शुरू करने की योजना हैं। कई लोग जल्द सेवानिवृत्त होने का सपना भी देखते हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम अमीरों के पास कोई ठोस वित्तीय योजना है।

रियल एस्टेट सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प

रियल एस्टेट अब भी सबसे पसंदीदा निवेश विकल्प है। आधे से ज्यादा एचएनआई ने अपनी संपत्ति का 20 फीसदी से अधिक हिस्सा रियल एस्टेट में लगाया है। सिर्फ एक तिहाई ने शेयर बाजार में इतना निवेश किया है। 25 फीसदी को वैश्विक निवेश की जानकारी ही नहीं है।

आरबीआई के फैसलों के बाद बाजार में मजबूती

नई दिल्ली। मौद्रिक नीति समिति के फैसलों का एलान होने के बाद घरेलू बाजार पर इसका सकारात्मक असर दिखा। रेपो रेट और सीआरआर में कटौती जैसे फैसलों ने बाजार में निवेशकों को आकर्षित किया। आरबीआई गवर्नर के एलानों के बाद उनकी ओर से मजबूत खरीदारी की गई जिसका पॉजिटिव असर प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों पर पड़ा। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़कर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 252.15 अंक या 1.02 प्रतिशत बढ़कर 25,003.05 अंक पर आ गया। बैंक निफ्टी में भी मजबूती बढ़त दिखी और यह 817.55 (1.47त्न) अंक चढ़कर 56,578.40 के स्तर पर बंद हुआ। ब्याज दरों के प्रति सबसे संवेदनशील रियल्टी इंडेक्स में 4.74 प्रतिशत तक का उछाल आया। वहीं, ऑटो इंडेक्स में 1.50 प्रतिशत और बैंकेक्स में 1.25 प्रतिशत की वृद्धि दिखी। रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर के मुकाबले 14 पैसे कमजोर होकर 85.65 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स फर्मों में से बजाज फाइनेंस में 4.93 प्रतिशत और एक्सिस बैंक में 3.15 प्रतिशत की तेजी आई। मारुति, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी अन्य प्रमुख लाभार्थियों में से थे। भारती एयरटेल और सन फार्मा पिछड़ गए। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आरबीआई के फैसले के बाद ÷बैंकिंग, रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सहित दर-संवेदनशील क्षेत्र तेजी का नेतृत्व कर रहे हैं। सैमको म्यूचुअल फंड के सीआईओ उमेशकुमार मेहता ने कहा कि रेपो रेट में 25 आधार अंकों तक की कटौती की संभावना थी। उम्मीद से कहीं ज्यादा की कटौती हुई है।

रेपो रेट में कमी के बाद भी कुछ बैंकों ने नहीं घटाई थी ईएमआई

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ने आज रेपो दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर दी। इसके बाद रेपो रेट 5.5 प्रतिशत हो गया है। लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व रेपो रेट 6.50 प्रतिशत था। उसके हिसाब से देखें तो रेपो दरों में सीधे एक प्रतिशत तक की भारी कटौती हुई है। रेपो दरों के कम होने से आम आदमी को यह उम्मीद होती है कि उसके होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई में कटौती हो जाएगी। यह आवश्यक नहीं है कि रेपो दरों में कमी के कारण आपकी ईएमआई भी कम हो जाए। दरअसल, कोरोना काल के बाद महंगाई को कंट्रोल करने के लिए रिजर्व बैंक ने रेपो दरों में बढ़ोतरी करना शुरू किया था। यह रिकॉर्ड 6.50 प्रतिशत तक हो गई थी। रेपो रेट (बैंकों को रिजर्व बैंक से मिलने वाले कर्ज पर ब्याज की दर) में बढ़ोतरी होने के बाद सभी बैंकों ने उपभोक्ताओं की ईएमआई में बढ़ोतरी कर दी। इस बढ़ोतरी के कारण लोगों की ईएमआई में उनके कर्ज के अनुसार दो-तीन हजार रूपये से लेकर 10-12 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी हो गई थी। इससे आम उपभोक्ताओं की कमर टूटने लगी थी। महंगाई के नियंत्रण में आने के बाद रिजर्व बैंक ने रेपो दरों में कटौती करना शुरू कर दिया। सबसे पहले इसी साल की फरवरी में 25 आधार अंकों की कमी की गई थी और इसके तुरंत बाद पिछले अप्रैल महीने में भी मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक के बाद रेपो दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर दी गई। इसका यह असर हुआ कि प्रमुख बैंकों ने रेपो दरों में कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया। सबसे पहले देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ब्याज दरों में कमी की घोषणा की थी। उसके बाद एसबीआई का अनुसरण करते हुए बैंक ऑफ महाराष्ट्र, इंडियन बैंक और पंजाब नेशनल बैंक ने ब्याज दरों में कमी कर आम उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाया। कई बैंकों ने रेपो दरों में कमी के बाद भी अब तक आम उपभोक्ताओं की ईएमआई में कटौती नहीं की है। आर्थिक मामलों के जानकारों के अनुसार, इसमें सबसे ज्यादा प्राइवेट सेक्टर के बैंक हैं जिन्होंने रेपो दरों में बढ़ोतरी के बाद ईएमआई में तुरंत बढ़ोतरी कर दी, लेकिन पिछले दो रेपो दरों में कमी के बाद भी ईएमआई कम नहीं की और इसका लाभ आम उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाया। दरअसल, आर्थिक मामलों के जानकारों के अनुसार, रेपो दरों में कटौती के बाद भी बैंक ब्याज दरों में कमी करने के लिए बाध्य नहीं हैं। लेकिन बाजार में कर्ज बांटने के व्यापार में आपसी कंपटीशन को देखते हुए बैंक एक दूसरे को देखते हुए ब्याज दरों में कमी करते हैं। लेकिन सीधे तौर पर ऐसा कोई कानून नहीं है जिसके कारण वे ऐसा करने के लिए मजबूर किये जा सकें। फिक्स दरों पर लोन लेने वाले उपभोक्ताओं पर रेपो दरों में कटौती या बढ़ोतरी का कोई लाभ-नुकसान नहीं होता। हालांकि, रिजर्व बैंक ने कुछ अवसरों पर बैंकों को यह सलाह दी थी।

4 वन्य-जीव के शिकार के 3 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स भोपाल को मिली सूचना के आधार पर शिवपुरी एवं वन मण्डल श्योपुर द्वारा संयुक्त रूप से जिला श्योपुर में अलग-अलग स्थानों पर दल बनाकर घेराबंदी कर छापामार कार्रवाई की गयी। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश-राजस्थान में वन्य-जीव का शिकार कर उसके अवयवों की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय संगठित गिरोह के 3 आरोपी दौजी भील, सुनीता दौजी निवासी ग्राम खोहरा जिला दौसा राजस्थान और बेस्ता भील निवासी नयागाँव कराहल जिला शिवपुरी को गिरफ्तार किया गया। स्टेट टाइगर फोर्स द्वारा आरोपियों के पास से वन्य-जीव तेंदुओं के अवयवों की जप्ती की गयी। इन अपराधियों के पास से 9 मोटर साइकिल, 3 मोबाइल जप्त कर वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा 4 वन्य-जीव तेंदुओं का शिकार किया जाना स्वीकार किया गया। जप्त वन्य-जीव अवयवों को फॉरेंसिक लैब में भेजकर शिकार किये गये वन्य-जीवों की प्रजाति एवं संख्या की पुष्टि करायी जायेगी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव ने बताया कि एसटीएसएफ द्वारा उक्त प्रकरण में शामिल 2 आरोपियों को 5 जून को विशेष न्यायालय शिवपुरी के समक्ष पेश किया गया था, जिन्हें 4 दिन के फॉरेस्ट रिमांड पर लिया गया। प्रकरण में लिप्त गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी प्राप्त करने की कार्यवाही की जा रही है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक 9 जून को

भोपाल। अगामी मानसून सत्र 2025 में वर्षा पूर्व बाढ़ से बचाव के लिये राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति की 6 जून को आयोजित बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित हो गई है। यह बैठक 9 जून को मुख्य सचिव प्रतिकक्ष में होगी।

सहकारिता विभाग पूरी प्लानिंग के साथ सोसायटी और परिसरों में लगाये पौधे: सारंग

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारिता विभाग पूरी प्लानिंग के साथ हर सोसायटी और विभागीय परिसरों में पौधरोपण करें। उन्होंने इसके लिये राज्य संघ और बीज संघ को इसकी जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन और छायादार सहित उपयोगी प्रजाति के पौधो का रोपण किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मास्टर प्लान इस तरह का हो कि संरक्षण और संवर्धन के साथ साल भर में लाखों पौधे लगे। मंत्री श्री सारंग ने गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत अपेक्स बैंक परिसर में अशोक का पौधा रोपा। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल ने भी पौधरोपण किया।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण-संवर्धन करना और आगे आने वाली पीढ़ी को जागरूक करना हमारी जिम्मेदारी है। हमारी संस्कृति, सनातन, दर्शन, धर्म, विचार सब पर्यावरण से जुडा हुआ है। पर्यावरण का अर्थ है पेड़, पौधे, पहाड, नदियाँ और ईको सिस्टम से मनुष्य पशु-पक्षी सब जुडें हैं। भारतीय संस्कृति नदी को वॉटर बॉडी नहीं मानती, हमारा अध्यात्म दर्शन नदी को माँ मानता है। नर्मदा मैया और गंगा मैया की हम अर्चना करते है, पर्वत को भगवान स्वरूप पूजते है। गोवर्धन पर्वत और कामतानाथ जी की हम परिक्रमा करते है। महिलाएँ साल भर में 5-6 ऐसे त्यौहार मनाती है जिसमें पेड़ों की परिक्रमा की जाती है। हरतालिका तीज जैसे त्यौहारों का विशेष महत्व है। यही नहीं भगवान का वाहन पशु-पक्षी हैं। शिवजी जहां एक ओर नाग को धारण किये है वहीं जटाओं के जरिये माँ गंगा को पृथ्वी पर लाये है। हमारा पूरा दर्शन, सनातन, धर्म, विचार पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की बात की तो विरासत को साथ लेकर चलने की बात की। विकास का मतलब पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचें और पेड़ भी नहीं कटे। कारखाने लगना विकास और भविष्य की लिये जरूरी है। इसलिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट के माध्यम से निर्णय लिया कि जितना औद्योगिक क्षेत्र बने उतना वन भी लगाया जाये। प्रधानमंत्री श्री मोदी एक पेड़ माँ के नाम का संदेश यही है कि पृथ्वी माँ को चिरस्थायी बनाने के लिये पौधरोपण करें। यहीं नहीं अपने माता-पिता के नाम, अपने परिजन के जन्म दिवस और सालगिरह जैसे अवसरों पर समाज के उज्जवल भविष्य के लिये पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण कर आने वाली पीढ़ी को भविष्य के लिये उपयोगी, दीर्घकालीन उपहार सौपकर जायें, इससे हम रहे न रहे हमारी याद बनी रहे। इस अवसर पर प्रबंध संचालक विपणन संघ श्री अलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प, उप सचिव श्री मनोज सिन्हा, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक श्री मनोज गुप्ता, प्रबंध संचालक सहकारी संघ श्री ऋषुराज रंजन, प्रबंध संचालक बीज संघ श्री महेन्द्र दीक्षित, संयुक्त आयुक्त श्री अम्बरीष वैद्य, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरूण माथुर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

वेतन ना आने पर सफाई रोककर अपना विरोध दर्ज

भोपाल। नगर निगम सार्थक कर्मचारी संघ के समस्त कर्मचारियों ने पेमेंट ना आने पर वाहन खड़े कर एवं सफाई व्यवस्था को रोककर अपना विरोध दर्ज कराया। डिप्टी कमिश्नर चंचलेश गिरहारे से चर्चा के बाद कर्मचारियों को मिला आश्वासन कि कल 2 बजे तक पेमेंट आ जाएगी। सभी कर्मचारी काम पर वापस लौटे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में सीएमएचओ कार्यालय सहित सभी विभागों में हुआ पौधारोपण

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस परएक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में पौधारोपण किया गया। इस अवसर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सहित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में पौधारोपण कर इनके संरक्षण की शपथ ली गई। सी एम एच ओ कार्यालय परिसर भोपाल में डॉ प्रभाकर तिवारी ने सिंदूर, आंवला, तुलसी सहित विभिन्न औषधीय पौधे लगाए। इस दौरान विभागीय अमले को पौधों के हमारे जीवन में महत्व की जानकारी देते हुए इनके संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलवाई गई। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का विषय प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन है। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों में स्थानीय नागरिकों को पर्यावरण असंतुलन से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। पर्यावरण बचाव और सुधार के लिए जागरूकता हेतु पोस्टर प्रतियोगिता, रैली, रंगोली सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण संरक्षण के लिए बायो मेडिकल वेस्ट के पृथककरण, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, बिजली व पानी के समुचित उपयोग के संबंध में उन्मुखीकरण किया गया। जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए निरंतर रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों के उपयोग , ऊर्जा संरक्षण , जल संरक्षण , सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार, सेहतमंद जीवन शैली अपनाने , ई वेस्ट को कम करने, कूड़ा कचरा कम करने एवं अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण का प्रभाव बुजुर्गों, गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों, गर्भवती महिलाओं एवं छोटे बच्चों पर सर्वाधिक होता है। दूषित वायु, दूषित जल और दूषित खाद्य पदार्थ हमारे स्वास्थ्य पर प्रत्यक्ष रूप से नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

हाईकोर्ट में अंबेडकर मूर्ति विवाद और गहराया, वकील पर FIR से तनाव, जीतू ने कही ये बात

भोपाल। ग्वालियर हाईकोर्ट में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाने का मुद्दा अब सिर्फ कोर्ट परिसर तक सीमित नहीं रहा। मामला अब सड़कों और सोशल मीडिया तक पहुंच चुका है। बाबा साहब के समर्थक और विरोधी पक्ष के लोग अब सोशल मीडिया पर एक-दूसरे पर अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। लोगों की पोस्ट की वजह से तनाव और गहराता जा रहा है। मूर्ति लगाने के समर्थक और विरोधियों में सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर काफी तनाव है। साइबर क्राइम थाने में एडवोकेट आशुतोष दुबे के खिलाफ भी सोशल मीडिया पोस्ट के चलते एफआइआर दर्ज की गई। इसके विरोध में एडवोकेट्स और सवर्ण समाज के लोगों ने मिलकर ग्वालियर एसपी ऑफिस का घेराव किया। पुलिस को भारी फोर्स तैनात करनी पड़ी। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप था कि बाबा साहब की प्रतिमा के समर्थकों द्वारा देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक पोस्ट की गई है, लेकिन पुलिस ने उनके खिलाफ कोई एफआईआर नहीं की। जबकि एक आवेदन मात्र पर एडवोकेट के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। उनका कहना था कि यह कार्रवाई एकतरफा है। इस पूरे विवाद के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति लगाने की मांग की है। पटवारी ने लिखा कि जब संविधान निर्माता की मूर्ति न्यायालय जैसे गरिमामय स्थल पर नहीं लगेगी तो फिर कहां लगेगी? पटवारी ने अपने पत्र में प्रतिमा लगाने का विरोध कर रहे लोगों को असामाजिक तत्व बताया। उन्होंने कहा कि यह विरोध संविधान और सामाजिक न्याय के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सब भाजपा की मौन सहमति और संरक्षण में हो रहा है। ग्वालियर पुलिस का कहना है कि वे लगातार दोनों पक्षों को समझाइश दे रहे हैं कि वे सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की विवादस्पद पोस्ट न करें। पुलिस ने बताया कि जिस पोस्ट की शिकायत हुई थी, उस पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और अन्य शिकायतों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

टेलीमेडिसिन सेवा से मरीजों को घर बैठे विशेषज्ञों से उपचार सुविधा मिलेगी: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय में नवीन टेलीमेडिसिन सेंटर का किया लोकार्पण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि टेलीमेडिसिन सेवा से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ेगी। इस नवाचार से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के मरीजों को विशेषज्ञों द्वारा बेहतर इलाज एवं परामर्श प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के टेलीफोन के माध्यम से विस्तार के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में ई-संजीवनी पोर्टल प्रारंभ किया गया है। इस पोर्टल के द्वारा मरीज विशेषज्ञ चिकित्सकों से घर बैठे निःशुल्क परामर्श ले सकते है। टेलीमेडिसिन सेवा से मरीजों की रेफरल संख्या भी कम होगी, जिससे मेडिकल कॉलेजों और जिला चिकित्सालयों में दबाव कम होगा। मरीजों को घर बैठे विशेषज्ञों से उपचार सुविधा मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गुरुवार को गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल में नवीन टेलीमेडिसिन सेंटर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, डीन गांधी चिकित्सा महाविद्यालय श्रीमती कविता सिंह सहित विभिन्न विभागों के एचओडी, डॉक्टर्स, प्रोफेसर, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हम स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विशेषज्ञों, मेडिकल स्टॉफ की भर्ती की जा रही है। जिससे मेडिकल स्टॉफ की कमी की पूर्ति होगी। इन विशेषज्ञों की तैनाती ग्रामीण क्षेत्रों में की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों ने बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि किसी समस्या के जड़ से समाधान के लिए जिद और जुनून की आवश्यकता है। टेलिमेडिसिन सेवा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यह सेवा स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि इस सेवा का प्रभावी तरीके के क्रियान्वयन किया जाए। टेलीमेडिसिन सेवा से जुड़े विशेषज्ञ प्रोफेसर्स और डॉक्टर्स प्रत्येक मरीज को बेहतर से बेहतर इलाज प्रदान करें। इस सेवा का व्यापक प्रचार करें जिससे कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इस सुविधा का ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त कर सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हमीदिया चिकित्सालय 70 वर्षों के अधिक समय से प्रदेश के मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रहा है। यहां की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल कैंपस में जर्जर भवनों का रिनोवेशन किया जायेगा। उन्होंने कमला नेहरू हॉस्पिटल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में परिवर्तित करने की बात भी कही। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने टेलीमेडिसिन हब रूम से सीहोर के मरीज और चिकित्सकों से चर्चा की। उन्होंने प्रेरणा सेवा ट्रस्ट द्वारा हॉस्पिटल को भेंट किए गए ई-रिक्शा का लोकार्पण किया। उन्होंने हॉस्पिटल में स्थापित बेबी फीडिंग रूम का लोकार्पण भी किया। थैलेसीमिया डे केयर सेंटर के बच्चों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया।

प्रदेश में लगातार 42वें दिन भी बदला रहेगा मौसम, कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल । मध्य प्रदेश में प्री मानसून की बारिश का दौर लगातार जारी है। 26 अप्रैल से शुरू हुई बारिश 6 अप्रैल को यानी 42वें में दिन भी जारी रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर-उज्जैन समेत 45 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है। यहां पर 30 से 40 किमी प्रतिघंटा के हिसाब से आंधी चल सकती है। अगले 4 दिन यानी, 9 जून तक ऐसा ही मौसम रहेगा। इसके बाद मानसून भी प्रदेश में प्रवेश कर लेगा। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की एक्टिविटी बनी हुई है। इस वजह से आंधी-बारिश वाला मौसम है। अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा।**आज मध्य प्रदेश के इन जिलों में अलर्ट :**मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए जिन जिलों में अलर्ट जारी किया है, उनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सागर, दमोह, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा शामिल हैं।

तेज बारिश से तापमान में आई गिरावट-गुरुवार को प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। रायसेन, उज्जैन, धार में तेज बारिश हुई। रायसेन में 9 घंटे में करीब एक इंच पानी बरस गया। बारिश और बादल की वजह से कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। खजुराहो में ही पारा 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बाकी शहरों में पारा 40 डिग्री से कम रहा। रायसेन में तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 36.4 डिग्री, इंदौर में 35.7 डिग्री, ग्वालियर में 38.4 डिग्री, उज्जैन में 37 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.2 डिग्री दर्ज किया गया।

10 के बाद मानसून की होगी एंट्री :प्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही होने की संभावना है। मौसम विभाग की माने तो अभी मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। पिछले कुछ दिन से ये आगे नहीं बढ़ा है। हालांकि मध्य प्रदेश में प्री मानसून की बारिश लगातार चल रही है जिस वजह से प्रदेश के तापमान में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। लोगों को गर्मी से राहत मिली हुई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं और रहवासियों ने सरजू सरोवर पार्क पर वृक्षारोपण किया

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं एवं रहवासियों द्वारा वार्ड क्रमांक 68 मे सरजू सरोवर पार्क पर वृक्षारोपण किया गया जिसमें विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए व पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर देवेंद्र योगी संजीव योगी सुनील व्यास सचिन मिश्राअजय जोगी आनंद तिवारी रजनीश दुबेजी अभिषेक तिवारीराम मालवीय अविनाश शर्मा प्रवीण शर्मा शिवनारायण व्यास मंगल जोगी उमेश सारस्वत मोनू तिवारी राजेश शर्मा संदीप मेहरा ललितेश पाल आर के बिहारी गौरव गुप्ता राम सजीवन गुप्ता मुन्ना नामदेव रामस्वरूप बरखाने राजेश प्रजापति राहुल पांचाल राजेंद्र परमार कमलेंद्र गौर दुर्गा प्रसाद बबलू त्रिपाठी जी प्रदीप नेमा दिनेश चौहान सर्वेश त्रिपाठी जज राम आश्रय मिश्रा पुजारी दास बैरागी मुमताज खान रमेश जैन अवधेश विश्वकर्मा जी कुटफुड़े विनोद पांडे जी वह अन्यजन उपस्थित रहे

प्राचीन हनुमान मंदिर में श्रीराम दरबार की हुई प्राण प्रतिष्ठा, हुआ विशाल भण्डारा

भोपाल। लालघाटी सावन नगर स्थित श्री प्राचीन हनुमान मंदिर में श्रीराम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा गुरूवार को सम्पन्न हुई। इस मौके पर नर्मदेश्वर शिवलिंग की भी प्राण प्रतिष्ठा की गई। विधायक रामेश्वर शर्मा ने पहुंचकर हनुमान महाराज और श्रीराम भगवान की पूजा अर्चना की। इस तीन दिवसीय आयोजनके तीसरे दिन सुबह अवाहित देवता पूजन, श्रीराम दरबार का जलाभिषेक किया उसके बाद भगवान का श्रृंगार किया गया। पुर्णाहुति के बाद शाम को विशाल भण्डारा किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्वालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मनोज वर्मा, पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे, पंडित राजेंद्र दुबे, संतोष शर्मा, कार्यक्रम के मुख्य यजमान शांति एवं भगवती गुप्ता, आजाद, राजू पवन गुप्ता परिवार के अलावा सावन नगर हलालपुर एवं अन्य कॉलोनी से रहवासी मौजूद थे।

दादाजी धाम मंदिर में गायत्री जन्मोत्सव एवं गंगा दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर भोपाल में गुरुवार को प्रातः 10 बजे से गायत्री मां जी की पूजन, मां गंगा जी की पूजन में यजमान ग्रिजेश श्रीवास्तव धर्मपत्नी सीमा श्रीवास्तव को पंडित जी द्वारा विधि विधान से पूजन संपन्न कराई गई। इस अवसर पर श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव, सचिव धनंजय बोरकर, कोषाध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव, ट्रस्टी जीवन नामदेव, अर्चना एवं मंदिर व्यवस्था समिति के सदस्य अवधेश सिंह, आर.डी. धुर्वे एवं भक्तों ने गायत्री यज्ञ में 108 आहुति देकर यज्ञ संपन्न किया, आरती के पश्चात भजन कीर्तन हुए। इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी भक्तों ने पुण्य लाभ प्राप्त किया।

मध्यप्रदेश में आईएएस-आईपीएस अधिकारियों को मिली मर्यादा लांघने की सजा

भोपाल

सरकारी नौकरी सिर्फ ऑर्डर देने के लिए नहीं होती। कुर्सी पर बैठने वाला शख्स समाज का चरित्र होता है, नीति निर्माता होता है। जब ये शख्स खुद अपनी मर्यादा लांघने लगे, तब उसकी एक चूक समाज में सौ दिशाहीन कदमों को जन्म देती है। मध्यप्रदेश की अफसरशाही में इन दिनों ऐसे ही कुछ अधिकारियों के निजी आचरण ने सुर्खियां बटोरी हैं। इन्होंने खुद अनुशासन और नैतिकता की सीमाएं लांघ दी। शासन-प्रशासन की रीढ़ हिल गई। युवा पीढ़ी के सामने लीडरशिप की परिभाषा धुंधली पड़ने लगी। सरकार ने हाल ही में ऐसे ही वरिष्ठ अफसरों पर सख्त कार्रवाई की है। यह कोई मामूली प्रशासनिक फेरबदल नहीं, बल्कि उन उम्मीदों और मूल्यों को बरकरार रखने की कोशिश है, जिनसे जनता और खासकर युवा वर्ग अपने रोल मॉडल की छवि गढ़ता है।

केस 1 वर्दी की गरिमा और रिश्तों की जमीन हिली

आईपीएस नागेंद्र सिंह बालाघाट के एसपी के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनकी पत्नी और स्वयं एक आईपीएस अधिकारी वाहिनी सिंह ने ही पति के खिलाफ शिकायत की। वाहिनी सिंह अभी डिंडोरी की एसपी हैं। उनकी यह शिकायत सार्वजनिक उदाहरण बन गई है। सूत्रों के अनुसार, नागेंद्र सिंह किसी महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप के आरोप हैं। पुलिस ने नागेंद्र सिंह को बालाघाट एसपी से हटाकर उन्हें भोपाल की 25वीं बटालियन में पदस्थ किया गया है। बता दें कि यह मामला अब पारिवारिक न्यायालय में विचाराधीन है।

केस 2 जब सिस्टम ने परिवार को चोट पहुंचाई

दमोह के तहसीलदार शैलेंद्र बिहारी शर्मा का अपनी पत्नी सीएसपी ख्याति मिश्रा और कटनी एसपी अभिजीत रंजन के साथ विवाद लंबे समय से चल रहा है। अब यह फिर गरमा गया है। इसके बाद सुर्खियों में आए एसपी अभिजीत रंजन को हटा दिया गया है। तहसीलदार शर्मा का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने सीएसपी आवास पर उनके परिवार वालों के साथ मारपीट की है। पुलिस ने घर की महिलाओं और आठ साल के बेटे को थाने ले जाकर पीटा है। ये सब कटनी एसपी के निर्देश पर हुआ है। हालांकि आईपीएस अभिजीत रंजन इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हैं। वहीं, सीएसपी ख्याति मिश्रा ने कहा कि उनके तहसीलदार पति ने खुद ही बंगले पर पहुंचकर कर्मचारियों को भगाया है। दरअसल, सीएसपी ख्याति मिश्रा कटनी में ही पदस्थ थीं। एक हफ्ते पहले ही उनका ट्रांसफर अमरपाटन में बतौर एसडीओपी हुआ है।

केस 3 जब कलेक्टर की निजी जिंदगी बनी थाने की फाइल

नीरज कुमार सिंह उज्जैन कलेक्टर के रूप में पदस्थ थे। उनके घरेलू जीवन में उपजा विवाद इतना गहराया कि उनकी पत्नी को पुलिस में शिकायत करनी पड़ी। इस घटना ने पूरे उज्जैन में प्रशासनिक मर्यादा पर सवाल खड़े कर दिए। एक अफसर का घर जब खुद अशांति का केंद्र बन जाए तो वह शहर को स्थिरता कैसे देगा? सरकार ने गंभीरता से संज्ञान लिया और नीरज सिंह को कलेक्टर पद से हटा दिया। यह फैसला व्यक्तिगत नहीं था, यह पूरे सिस्टम की गरिमा की रक्षा के लिए जरूरी था।

सीएम ने क्या कहा...

मोहन सरकार ने दो दिन पहले कटनी एसपी अभिजीत रंजन समेत दतिया के एसपी वीरेंद्र कुमार, चंबल रेंज के आईजी सुशांत कुमार सक्सेना और डीआईजी कुमार सौरभ को भी हटाया है। खुद सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर इन अधिकारियों को हटाए जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि कटनी और दतिया के एसपी तथा आईजी, डीआईजी चंबल रेंज द्वारा ऐसा व्यवहार किया गया, जो लोकसेवा में खेदजनक है। इन्हें तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए हैं। वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि कटनी एसपी द्वारा लोकसेवा आदर्श आचरण का उल्लंघन घोर निंदनीय है। उनके दुर्व्यवहार पर कार्रवाई को लेकर सीएम डॉ.यादव से बात हुई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए एसपी को तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए मैं मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं।

लोगों की नजरों में अफसर नहीं, आदर्श होते हैं

प्रशासनिक अधिकारी सिर्फ फाइलों और ऑर्डरों तक सीमित नहीं होते। वे लोगों के आदर्श होते हैं, जिनकी एक झलक देखकर कोई छात्र आईपीएस बनने का सपना देखता है, कोई आम इंसान हक की उम्मीद करता है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576